डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक
# रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 129 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 17 अप्रैल 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

यह प्रयोग महाराष्ट्र की मनमाड-सीएसएमटी पंचवटी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12110) में किया गया

## एटीएम ऑन व्हील्स... भारत में 'पहली बार' ट्रायल के तौर पर ट्रेन में लगाई गई एटीएम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रेलवे ने ट्रेनों में ऑटोमेटेड टेलर मशीन (एटीएम) लगाकर सफल परीक्षण किया है। जो अपने आप में सबसे बड़ी पहल है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसका वीडियो भी साझा किया है। जिसमें एटीएम को ट्रेन में कहां लगाया गया है, इसे समझाया गया है। इस खास पहल का मकसद जनता को ट्रेन के सफर के दौरान भी पैसे निकालने की सुविधा देना है। इस तरह का पहला प्रयोग महाराष्ट्र की मनमाड-सीएसएमटी पंचवटी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12110) में किया गया है। इस पहल को – एटीएम ऑन व्हील्स - नाम दिया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस एटीएम की वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्विटर) पर शेयर की है, जो खूब चर्चा में है। यह पहल रेलवे बोर्ड के उस निर्देश का हिस्सा है जिसमें कहा गया था कि यानि किराए के अलावा कमाई बढ़ाने के लिए नई और नई सोच के तरीके अपनाए जाएं। इसी के तहत 25 मार्च 2025 को रेलवे ने सभी संभावित वेंडरों के साथ एक बैठक की। इस बैठक में चलती ट्रेनों में मोबाइल एटीएम लगाने का विचार रखा गया, जिसे बाद में मंजूरी भी मिल गई।

अच्छी खबर

**25 मार्च 2025 को रेलवे ने सभी संभावित वेंडरों के साथ एक बैठक की। इसमें चलती ट्रेनों में मोबाइल एटीएम लगाने का विचार रखा गया, जिसे बाद में मंजूरी भी मिल गई**

रबर पैड और बोल्ट्स की मदद से एटीएम को ट्रेन में झटकों और कंपन से बचाया गया

### कैसे हुआ ट्रायल?

ट्रेन में एटीएम का का पहला ट्रायल 10 अप्रैल 2025 को मनमाड-सीएसएमटी पंचवटी एक्सप्रेस में किया गया। ट्रेन के मिनी पैंट्री (छोटे किचन) वाले हिस्से को एटीएम लगाने के लिए तैयार किया गया। रेलवे की मैकेनिकल टीम ने यह काम किया और एटीएम को सुरक्षित रूप से फिट किया। रबर पैड और बोल्ट्स की मदद से एटीएम को ट्रेन के चलने के दौरान लगने वाले झटकों और कंपन से बचाया गया। दो अग्निशमन यंत्र भी उस जगह पर लगाए गए हैं, ताकि सुरक्षा बनी रहे।

### इस पहल का उद्देश्य क्या है?

*ट्रेन में एटीएम लगाने से यात्रियों को कहीं भी आते-जाते पैसे निकालने की सुविधा देना है। इसके अलावा किराए के अलावा रेलवे को अतिरिक्त कमाई का जरिया मिलना और साथ ही रेलवे को और आधुनिक और स्मार्ट बनाना है।*

## राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस समारोह पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने दी सौगात

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान पुलिस के जवानों का साहस, सेवा भावना और बलिदान अतुलनीय है। पुलिस की वर्दी सिर्फ एक कपड़ा नहीं बल्कि एक जिम्मेदारी, एक वचन और जीवन का एक अर्थ है। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मी सही मायनों में समाज के असली नायक हैं। वे हर दिन, हर मौसम, हर चुनौती के बावजूद निरंतर सेवा में जुटे रहते हैं। हर संकट में सबसे पहले खड़े होकर जान-माल की सुरक्षा करते हैं।

शर्मा बुधवार को आरपीए में राजस्थान पुलिस स्थापना दिवस पर परेड निरीक्षण के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज का दिन प्रदेश के बहादुर पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करने का अवसर है। पुलिसकर्मी अपने जीवन को समाज की सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था के लिए समर्पित करते हैं। मुख्यमंत्री ने कर्तव्य पथ पर अडिग रहते हुए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद पुलिस कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

**हर मोर्चे पर मुस्तैदी से डटी रहती है पुलिस-**

मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिसकर्मी समाज की ढाल बनकर हमारी हिफाजत करते हैं। ये कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ ही समाज के हर वर्ग की सुरक्षा भी सुनिश्चित करते हैं। उन्होंने कहा कि अपराध रोकथाम, आपदा प्रबंधन, यातायात नियंत्रण तथा सामाजिक समरसता बनाए रखने सहित पुलिस हर मोर्चे पर मुस्तैदी से डटी रहती है। उन्होंने कहा कि पुलिसिंग का उद्देश्य केवल अपराधियों को पकड़ना ही नहीं बल्कि समाज में विश्वास और सुरक्षा की भावना को मजबूत करना भी है।

**पुलिस और नागरिकों के बीच होना चाहिए नियमित संवाद-**

शर्मा ने कहा कि पुलिस और समाज एक-दूसरे के पूरक हैं। पुलिस और नागरिकों के बीच नियमित संवाद से आमजन में विश्वास के साथ अपराध पर प्रभावी नियंत्रण होता है। सामुदायिक पुलिसिंग के तहत गांवों-मोहल्लों में बैठकें आयोजित की जानी चाहिए, जिससे लोगों को पुलिस के कार्यों को समझने में मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि पुलिस को स्कूलों, कॉलेजों और सामुदायिक केंद्रों में जाकर कानून और सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलानी चाहिए। इससे युवाओं में पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनेगा। पुलिस को शिकायतों के त्वरित निस्तारण और तकनीक के उपयोग से आपसी विश्वास को मजबूत करना चाहिए।

**200 करोड़ रुपये से होगा पुलिस मॉडर्नाइजेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड का गठन-**

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पुलिसकर्मियों के हित में कदम उठा रही है। उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है ताकि कार्य के दौरान आने वाली चुनौतियों के लिए उन्हें अधिक सक्षम बनाया जा सके। इसी दिशा में पुलिस आधुनिकीकरण एवं संबंधित आधारभूत संरचना के लिए 200 करोड़ रुपये का पुलिस मॉडर्नाइजेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड गठित किया जाएगा। साथ ही, प्रदेश में कानून-व्यवस्था को अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए 10 हजार पदों पर भर्ती को स्वीकृति प्रदान की गई है। वहीं, 5,500 नवीन पदों का सृजन किया गया है तथा इस वर्ष 3,500 नवीन पद सृजन प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि पद्मिनी, कालीबाई व अमृतादेवी महिला पुलिस बटालियनों की स्थापना हेतु पदों की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति तथा 500 कालिका पेट्रोलिंग टीम के गठन हेतु प्रथम चरण में एक हजार कांस्टेबल के नवीन पदों के सृजन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति भी जारी कर दी गई है। साथ ही, पुलिस विभाग एवं कारागार विभाग में कार्यरत लांगरियों के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि एवं 250 लांगरी पदों का सृजन भी किया गया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के पुलिस विभाग को सशक्त और आधुनिक बनाने के लिए इसी तरह नवाचार करती रहेगी।

**350 करोड़ रुपये से सरदार पटेल सेंटर फॉर साइबर कंट्रोल एंड वार रूम की होगी स्थापना-**

शर्मा ने कहा कि पुलिस मोबेलिटी के लिए लगभग 750 मोटरसाइकिल एवं 500 हल्के वाहन उपलब्ध करवाए गए हैं तथा आधुनिक उपकरणों के लिए 27 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस दूरसंचार प्रशिक्षण केंद्र का क्रमोन्नयन एवं विस्तार कर राजस्थान पुलिस तकनीकी प्रशिक्षण अकादमी के रूप में स्थापित किए जाने के लिए नवीन पदों के सृजन की प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति भी दी जा चुकी है। इसी तरह 350 करोड़ रुपये की लागत से पुलिस मुख्यालय के अन्तर्गत सरदार पटेल सेंटर फॉर साइबर कंट्रोल एंड वार रूम की स्थापना की जाएगी। इसी तरह पुलिस को और अधिक प्रभावी एवं कार्यदक्ष बनाने हेतु करीब 60 करोड़ की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्प चक्र अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया। इसके बाद उन्होंने परेड ग्राउण्ड में परेड निरीक्षण किया। समारोह में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पुलिस अधिकारी एवं कार्मिकों को पुलिस पदक तथा मुख्यमंत्री सराहनीय सेवा पदक प्रदान किए गए।

**मुख्यमंत्री ने की घोषणाएं-**

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कांस्टेबल से सहायक उप निरीक्षक तक के वर्दी भत्ते को 7 हजार रुपये से बढ़ाकर 8 हजार रुपये करने तथा पुलिस निरीक्षक तक के अधिकारियों का मैस भत्ता 2,400 रुपये से बढ़ाकर 2,700 रुपये करने की घोषणा की। शर्मा ने कांस्टेबल से पुलिस निरीक्षक तक के पुलिसकर्मियों को एक्सप्रेस श्रेणी की बसों के अतिरिक्त सेमी डीलक्स बसों में भी निःशुल्क यात्रा की सुविधा उपलब्ध करवाए जाने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों को समय पर पदोन्नति देने के लिए हमारी सरकार सभी आवश्यक कदम उठाएगी। हमारी सरकार पुलिसकर्मियों की परेशानियों को ध्यान में रखते हुए कार्य करेगी।

## नेशनल हेराल्ड केस में ED की चार्जशीट से सियासी हलचल

### -जयपुर में कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, गहलोत-पायलट ने साधा केंद्र पर निशाना

जयपुर। नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ ED की चार्जशीट दाखिल होने से नाराज कांग्रेस नेताओं ने बुधवार को जयपुर में बड़ा प्रदर्शन किया। ईडी ऑफिस के बाहर इस प्रोटेस्ट की शुरुआत दोपहर करीब 12 बजे हुई, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी शामिल हुए। कांग्रेस के अग्रिम संगठनों के कार्यकर्ता, विधायक और पदाधिकारी समेत बड़ी संख्या में प्रदर्शन स्थल पर लोग जुटे, जिन्होंने केंद्र सरकार पर एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया। इस दौरान पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कहा, 'देश में इस तरह का माहौल बनाया जा रहा है जैसे कोई बहुत बड़ा घोटाला हो गया है। भाजपा बार-बार लोकतंत्र की हत्या करने का काम कर रही है। ये बहुत खतरनाक है। ED पहले भी इस मामले की जांच कर चुकी है। सोनिया गांधी और राहुल गांधी को क्लीन चिट भी मिल चुकी है। लेकिन, अब फिर से मामला शुरू कर दिया। ये झूठा मामला है, इसमें कोई दम नहीं है।' राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा, 'भाजपा सत्ता में आने के बाद से ही राष्ट्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। चाहे वह ED हो, इनकम टैक्स हो या CBI। मनी लॉन्ड्रिंग नहीं हुई है,

एक भी पैसे का लेन-देन नहीं हुआ है। यह एक गैर-लाभकारी ट्रस्ट है। जिस परिवार ने अपनी संपत्ति दान कर दी, आज आप उन्हें कैसे परेशान कर रहे हैं? क्या ईडी ने आज तक किसी भाजपा नेता के खिलाफ कोई कार्रवाई की है।'

वहीं, दिल्ली में प्रदर्शन करते हुए राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने कहा, 'पूरा देश जानता है कि ईडी और सीबीआई भारत सरकार के राजनीतिक हथियार हैं। सोनिया गांधी का जीवन सार्वजनिक है, यह उनकी छवि खराब करने का प्रयास है। तथ्यों पर गौर करें तो इस मामले में कोई दम नहीं है। यह स्पष्ट रूप से राजनीति से प्रेरित मामला है जिसे लंबे समय से खींचा जा रहा है। हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और हम इसे कानूनी तरीके से सुलझा लेंगे।'

राजस्थान सरकार ने क्या कहा?

नेशनल हेराल्ड केस में ED की कार्रवाई पर राजस्थान सरकार में मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा, 'कांग्रेस का घोटालों का इतिहास रहा है। कोयला घोटाले से लेकर देश में हुए अधिकांश घोटाले कांग्रेस के नाम पर हैं। जांच एजेंसी लंबे समय से नेशनल हेराल्ड मामले की जांच कर रही है। लंबी जांच के बाद, कई तथ्यों और दस्तावेजों पर रिकॉर्ड लेने के बाद अगर ED कोर्ट में चालान पेश करती है और कांग्रेस उसका विरोध करती है, तो कांग्रेस घोटाले बचाने में लगी है। उन्हें न्याय व्यवस्था पर भरोसा रखना चाहिए, न्यायिक प्रक्रिया पर भरोसा न रखने वाले ही ऐसी बयानबाजी करते हैं।

## उर्दू हमारी जमीन से जन्मी... इसे धर्मों में न बांटो: उर्दू पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उर्दू में साइन बोर्ड को लेकर एक अहम टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि भाषा एक संस्कृति है और यह लोगों को आपस में बांटने की वजह नहीं बननी चाहिए। अदालत ने अपने फैसले में कहा कि उर्दू हमारी गंगा-जमुनी तहजीब या हिंदुस्तानी तहजीब का शानदार नमूना है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने यह टिप्पणी की।

**क्या है मामला?**

अदालत में महाराष्ट्र के अकोला जिले में पातुर नगर पालिका परिषद की इमारत के साइनबोर्ड पर उर्दू के इस्तेमाल को चुनौती दी गई थी। अदालत में इसे लेकर पूर्व पार्षद ने याचिका दायर की थी।कोर्ट ने अपने फैसले में कहा, "किसी भाषा के प्रति हमारी गलत धारणाओं और पूर्वाग्रहों को सच्चाई से परखा जाना चाहिए। आइए, हम उर्दू और हर भाषा से दोस्ती करें।" कोर्ट ने आगे कहा, "यह गलत धारणा है

कि उर्दू भारत के लिए विदेशी है, उर्दू ऐसी भाषा है जो हमारी ही धरती पर पैदा हुई है।"

अदालत ने अपने फैसले में कहा, "भाषा धर्म नहीं है और यह धर्म का प्रतिनिधित्व भी नहीं करती, भाषा एक समुदाय, एक क्षेत्र, एक लोगों की होती है, न कि किसी धर्म की।" अदालत ने कहा कि हमें अपनी विविधताओं का आदर करना चाहिए।

जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की बेंच ने बॉम्बे हाई कोर्ट के उस फैसले में दखल देने से इनकार कर दिया, जिसमें कहा गया था कि Maharashtra Local Authorities (Official Languages) Act, 2022 या किसी कानूनी प्रावधान के तहत उर्दू के इस्तेमाल पर प्रतिबंध नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, "उर्दू के खिलाफ पूर्वाग्रह इस गलत धारणा की वजह से पैदा हुआ है कि उर्दू भारत के लिए विदेशी है। यह राय गलत है क्योंकि मराठी और हिंदी की तरह उर्दू भी एक इंडो-आर्यन भाषा है। उर्दू ऐसी भाषा है जो हमारे देश में जन्मी है।" कोर्ट ने कहा कि उर्दू भारत में अलग-अलग संस्कृति से जुड़े लोगों की जरूरत के कारण विकसित हुई और ऐसे लोग आपस में बातचीत करना चाहते थे।फारसी के शब्द 'हिंदवी' से आया हिंदी शब्द

अदालत ने फैसले में कहा, "आज भी देश के आम लोगों की भाषा में उर्दू का इस्तेमाल होता है, भले ही उन्हें इसके बारे में बहुत ज्यादा पता ना हो। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि हिंदी में हर दिन की बातचीत उर्दू के शब्दों या उर्दू भाषा से निकले शब्दों के बिना नहीं हो सकती। हिंदी शब्द खुद फारसी के शब्द 'हिंदवी' से आया है।"

अदालत ने यह भी कहा कि संविधान के अनुच्छेद 348 के मुताबिक, हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की भाषा अंग्रेजी है फिर भी कोर्ट में कई उर्दू शब्दों का इस्तेमाल किया जाता है जैसे वकालतनामा, दस्ती आदि।

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के विचार को बरकरार रखते हुए कहा कि नगर पालिका परिषद का काम लोगों की सेवा करना और उनकी जरूरत को पूरा करना है। ऐसे में अगर नगर पालिका परिषद के इलाकों में रहने वाले लोग उर्दू जानते हैं तो कम से कम नगर पालिका के साइन बोर्ड पर आधिकारिक भाषा मराठी के अलावा उर्दू का इस्तेमाल करने पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए।

## जस्टिस बी.आर. गवई होंगे देश के 52वें मुख्य न्यायाधीश, 14 मई को लेंगे शपथ

नई दिल्ली। न्यायमूर्ति बीआर गवई भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश बनने वाले हैं। 14 मई को शपथ ले सकते हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें पद की शपथ दिलाएंगी। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने केंद्र सरकार को जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई के नाम की सिफारिश अगले सीजेआई के रूप में की है। सीजेआई खन्ना 13 मई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। परंपरा के अनुसार, मौजूदा सीजेआई अपने उत्तराधिकारी के रूप में सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश की सिफारिश करते हैं। मौजूदा सीजेआई संजीव खन्ना के बाद सुप्रीम कोर्ट के दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश जस्टिस गवई 13 मई को सीजेआई खन्ना के सेवानिवृत्त होने के बाद 14 मई को 52वें सीजेआई बनेंगे। 24 मई, 2019 को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किए गए जस्टिस गवई का सीजेआई के रूप में कार्यकाल छह महीने से अधिक होगा। वह 23 नवंबर, 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। कानून मंत्रालय ने पहले औपचारिक रूप से न्यायमूर्ति खन्ना से उनके उत्तराधिकारी का नाम बताने का अनुरोध किया था, और नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू की थी। बीआर गवई का जन्म 24 नवंबर

1960 को अमरावती में हुआ है। वे 16 मार्च 1985 को बार में शामिल हुए। न्यायमूर्ति गवई ने 14 नवंबर, 2003 को बॉम्बे उच्च न्यायालय के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में अपना न्यायिक करियर शुरू किया। 12 नवंबर, 2005 को स्थायी न्यायाधीश बने। उन्होंने मुंबई, नागपुर, औरंगाबाद और पणजी में पीठों की अध्यक्षता करते हुए 15 वर्षों से अधिक समय तक सेवा की।

# रॉयल पत्रिका

## संपादकीय

## हिंदुत्व की विचारधारा से भारत को कितना फायदा!

भारत में 2014 के बाद विदेश एवं देश की आंतरिक नीतियों में भारी बदलाव आया है। देश के अंदर हिन्दत्व की विचारधारा का बोलबाला बढ़ रहा है और अल्पसंख्यकों विशेषकर मुस्लिम वर्ग को हाशिये पर धकेला जा रहा है। धर्मनिरपेक्षता शब्द केवल संविधान तक सीमित होता जा रहा है। इसी तरह देश की विदेश नीति में भी बदलाव आया है। भारत हमेशा विश्व पटेल पर फिलिसतीन की आजादी के लिए अपनी आवाज उठाता था। लेकिन 2014 के बाद मोदी सरकार ने खुलकर इजराइल का पक्ष लिया और उसके साथ सामरिक एवं व्यापारिक रिश्ते बढ़ाए। पहले भारत केवल पाकिस्तान के विरोध में ही विश्व मंचों पर दिखाई देता था लेकिन अब भारत दुनिया में इस्लामिक आतंकवाद की बात अमेरिका और इजरायल के साथ करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अमेरिका की यात्रा की और विभिन्न सामरिक, व्यापारिक एवं तकनीकी हस्तांतरण और दोनों देशों के व्यापार को नई ऊँचाइयों पर ले जाने के समझौते किए। अमेरिका, भारत- चीन सीमा विवाद का फायदा उठाकर अपने F-35 फाइटर प्लेन भारत को बेचना चाहता है। इजराइल अब कमजोर स्थिति में है और भारत की ज्यादा सहायता करने की स्थिति में नहीं है। दूसरी तरफ भारत के तुर्की से अच्छे संबंध नहीं है क्योंकि तुर्की भारत के खिलाफ और पाकिस्तान के पक्ष में दिखाई देता है। तुर्की ने दो-तीन दशकों में तकनीकी के मामले में काफी तरक्की की है। इसलिए उसका लड़ाकू ड्रोन के बेचने में विश्व के 60 प्रतिशत मार्केट पर कब्जा है। तुर्की ने पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान 'कान' भी बना लिया है। तुर्की विश्व में मुस्लिम देशों का खलीफा भी बनना चाहता है। तुर्की के राष्ट्रीयपति तैयब अरदुगान ने हाल ही में मलेशिया, इंडोनेशिया एवं पाकिस्तान की यात्रा की है। तुर्की के राष्ट्रपति इस्लामीकरण के नाम पर अपने देश के विकसित ड्रोन, मिसाइल, लड़ाकू विमान बेचकर मालामाल एवं ताकतवर होना चाहता है। तुर्की मुस्लिम देशों का एक ताकतवर मंच भी बनाना चाहता है, जिसमें सभी मुस्लिम देश शामिल हों। यह मुस्लिम देशों का मंच अमेरिका और इजरायल द्वारा फैलाई जा रहे मुस्लिम देशों के खिलाफ दुष्प्रचार एवं विचारधारा का मुकाबला करेगा। विश्व स्तर पर भारत की विदेश नीति सबको साथ लेकर चलने की थी यानी गुटनिरपेक्ष की नीति, लेकिन अब भारत की नीति हिंदुत्व से प्रभावित दिखाई दे रही है। जिसके कारण मुस्लिम देशों से संबंध कमजोर पड़ सकते हैं। भारत का पड़ोसी बांग्लादेश अब मित्र देशों की गिनती से बाहर हो गया है जो भारत की विदेश नीति की असफलता ही माना जाएगा। विश्व में जैसे संकेत आ रहे हैं उससे लगता है कि अमेरिका का विश्व में सर्वशक्तिमान का पद जल्द ही छिन जाएगा। चीन दुनिया में अगला सुपर पावर देश बन सकता है। ऐसे में भारत को अपनी विदेश नीतियों की फिर से समीक्षा करनी होगी। क्योंकि इसराइल और अमेरिका की मुस्लिम विरोधी नीतियों के साथ भारत का कितना फायदा होगा यह आकलन करना होगा। विश्व में करीब 80 से ज्यादा मुस्लिम देश हैं और एक साथ आने की कोशिश कर रहे हैं। मुस्लिम देशों से व्यापार कम करना या नहीं करना कितना फायदेमंद है यह सोचने की बात है। पड़ोसी पाकिस्तान को छोड़कर पहले की तरह मुस्लिम देशों के साथ व्यापार भारत के लिए जरूरी है क्योंकि बिना व्यापार के देश की आर्थिक स्थिति में सुधार नहीं आ सकता है। इसलिए हिंदुत्व का मुद्दा भाजपा के लिए देश की आंतरिक राजनीति में फायदेमंद हो सकता है लेकिन विश्व स्तर पर फायदेमंद नहीं हो सकता।

## हाशिये पर खड़े मुसलमानों के सामने रास्ते क्या है?

***आज देश का मुसलमान राजनैतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिकरूप से हाशिये पर खड़ा है। उसे एक अंधेरी गुफा में धकेला जा रहा है।***

आज देश का मुसलमान राजनैतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिकरूप से हाशिये पर खड़ा है। उसे एक अंधेरी गुफा में धकेला जा रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि देश की दूसरी सबसे बड़ी आबादी वाले समुदाय को अपना वजूद बचाने के लिए कौन से रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए। सवाल यह भी है कि क्या समुदाय और उनकी लीडरशिप का इस बात का अहसास है भी या नहीं कि कि आज पूरे समुदाय को हाशिये पर धकेल दिया गया है। और अगर अहसास है तो क्या उस लीडरशिप के पास इन हालातो से बाहर निकलने के कोई रास्ते हैं। सबसे पहले उन पहलूओं पर गौर करना जरूरी है कि समुदाय की यह हालत क्यों हुई। क्योंकि यह सब कुछ एक दिन में नहीं हुआ। समुदाय की इस हालात के लिए सभी पार्टियां जिम्मेदार हैं। 2014 से पहले तक राजनैतिक स्तर पर यह स्थिति थी कि मुसलमानों के वोटों के बिना केंद्र में किसी भी दल की सरकार बनना मुमकिन नहीं था। यानी मुस्लिम वोट एक निर्णायक भूमिका अदा करता था। लेकिन उस दौर में भी जो भी पार्टी सत्ता में थी। उसने मुसलमानों का इस्तेमाल तो किया। लेकिन उसके सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक विकास के लिए कोई प्रयास नहीं किये। यहां तक की लोकसभा और विधानसभा सीटों के सीमांकन में ऐसा खेल खेला गया कि मुसलमान अपने बूते कोई सीट आसानी से नहीं जीत सके। सीमांकन के नाम पर मुस्लिम वोटों का बंटवारा किया गया। और यह काम उन पार्टियों ने किया। जिन पार्टियों को मुसलमान वोट भी देता था और अपना हमदर्द भी समझता था। जिन पार्टियों को मुसलमान वोट देता था उन्होंने न केवल यह सीटों के सीमांकन का खेल खेला बल्कि सांप्रदायिक दंगों के जरिए उनकों आर्थिकरूप से पंगु भी बनाया। मसलन मेरठ और मुरादाबाद में पीतल का कारोबार मुसलमानों के पास था तो सांप्रदायिक दंगे करवा कर मुसलमानों को तबाह किया गया। भागलपुर और भिवंडी में कपड़े का कारोबार मुसलमानों के पास था तो वहाँ भी सांप्रदायिक दंगे करवाकर मुसलमानों को तबाह किया गया। ऐसे ही अलीगढ़ से तालों का और कानपुर से चमड़े का कारोबार मुसलमानों से छीना गया। यानी सबसे पहले उसे राजनैतिक तौर पर हाशिये पर धकेला गया और उसके बाद उसे आर्थिकरूप से बर्बाद किया गया और यह काम उन पार्टियों ने किया जिनकों मुसलमान वोट देता था और अपनी सबसे हमदर्द पार्टी समझता था। उसी तरह से मुसलमानों के शिक्षा के क्षेत्र में पीछे धकेला गया उसके शैक्षणिक पिछड़ापन को दूर करने के लिए कोई प्रयास नहीं किए गए। उनकी आबादी में स्कूलों से ज्यादा थाने खोले गए। और मुसलमानों को खुश करने के लिए मदरसा बोर्ड बना दिए गए। दीनी तालीम की जरूरतें तो मुसलमान वैसे अपने द्वारा चलाये जा रहे मदरसों से कर रहा था उसकों जरूरत थी ऐसी उच्च श्रेणी की शिक्षा की जिसके जरिए उनके बच्चों को भी ऐसी श्रेष्ठ शिक्षा मिलती की प्रतिस्पर्धा के इस दौर में उसके बच्चे भी बाकी समुदाय के बच्चों का मुकाबला कर सकते और प्रशानिक सेवाओं में अपनी भागी दारी बना सकते। लेकिन मुसलमानों के वोटो से बनी सरकारों ने इस मामले में कुछ नहीं किया। अब बात करते 2014 के लोकसभा के चुनाव के नतीजों की क्योंकि इन चुनाव के नतीजौ ने ही मुसलमानों कों हाशिये पर धकेलने का काम बहुत तेजी से किया। इस चुनावी नतीजों ने साबित किया कि बिना मुसलमान वोटों के भी बहुमत से केंद्र में सरकार बनाई जा सकती हैं यानी 2014 से पहले जो मुस्लिम वोटो की अहमियत हुआ करती थी वह खत्म हो गई। और देश में हिंदुओं का एक बड़ा और निर्णायक वोट बैंक सामने आया। बहुसख्यकों का यह वोट बैंक ऐसा था जो मुसलमानों से नफरत की बुनियाद पर खड़ा हुआ था और इस बार सरकार बनी वह हर तरह से मुसलमानों का हासिये पर धकेल देना चाहती थी और उसने ऐसा किया भी। पूरे देश में मुसलमानो के खिलाफ नफरत का माहौल बनाया जाने लगा। कभी गाय के नाम पर, तो कभी लव जिहाद के नाम पर, तो कभी एनआरसी या कभी तीन तलाक कानून और कभी हिजाब के मुद्दे पर पूरे देश में मुसलमानो को अछूत सा बना दिया और इस नफरत से बहुसंख्या का ध्रुवीकरण किया गया। उसका नतीजा यह निकला कि बड़े-बड़े राज्यों की सरकारों में कोई मंत्री ही नहीं रहा क्योंकि जो पार्टी सत्ता में आई, उसको मुस्लिम वोट चाहिए थे और न ही मुसलमानो के विकास में उसकी कोई दिलचस्पी थी। इसका नतीजा यह निकला कि आज देश का मुसलमान पूरी तरह से हाशिये पर पहुंच गया। आज खुलेआम उसके पाकिस्तान भेजने के बयान आने लगे। उसके आर्थिक बहिष्कार करने का खुलेआम ऐलान होने लगा। मुसलमाने को कारोबार करने से रोकने के हर तरह के प्रयास खुलेआम होने लगे। यानि कि मुसलमाने को पूरी तरह से हाशिए पर धकेल दिया। अब उसकी पीड़ा को सुनने के लिए कोई निष्पक्ष प्रशासनिक व्यवस्था है और ना निष्पक्ष न्याय पालिका। अब ऐसे सवाल यह है कि मुसलमानो के सामने रास्ते क्या हैं कैसे वह इस अंधेरी गुफा से बाहर निकले, कैसे वह अब अपने वजूद को बचा ले और कैसे वह अपने संवैधानिक अधिकारों की हिफाजत करें। संविधान का अनुच्छेद 29 में 30 मुसलमानो को अपनी पसंद के तालीमी इदारे कायम करने की इजाजत देता है । मुसलमान अब तक इस संवैधानिक अधिकारों का सही से इस्तेमाल नहीं कर पाया है । इसलिए अब पूरे मुस्लिम समुदाय को अपने उच्च कोटि की शिक्षा देने वाले तालीमी इदारे कायम करने चाहिए । अगर उसके इन विचारों से उसके बच्चे उच्च कोटि की शिक्षा हासिल कर लें तो उनकी पचास फ़ीसदी समस्या हल हो सकती है, क्योंकि यदि उच्च कोटि शिक्षा प्राप्त बच्चे होंगे तो फिर इस प्रतिस्पर्धा के दौर में भी वह अपना मुकाम बना लेंगे और आने वाले कुछ सालों में हर जगह उसकी भागीदारी होगी। और जब उसकी भागीदारी बढ़ेगी तो उसकी आर्थिक स्थिति में भी सुधार आएगा और शिक्षित और आर्थिक रूप से मजबूत समुदाय को हाशिए पर धकेलना आसान नहीं होगा। दूसरा मुसलमानो को प्रयास करना चाहिए कि उसकी राजनीतिक भागीदारी बड़े उसके समुदाय से चाहे एमएलए या एमपी बने, लेकिन हर शहर में हर कस्बे में एक ऐसी लीडरशिप खड़ी करें जो समुदाय पर होने वाले जुल्म के खिलाफ सीना तानकर खड़ी हो जाए। अगर हर शहर और कस्बे में ऐसी लीडरशिप खड़ी हो जाए तो कैसी भी मुस्लिम विरोधी पार्टी की सरकार हो उसके लिए मुसलमानो पर जुल्म करना या हाशिए पर धकेलना आसान नहीं होगा। उसका अपना मजबूत कारोबार होगा तो इन तथाकथित मुसलमानो का आर्थिक बहिष्कार करने के ऐलान से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। शायर अल्लामा इकबाल का शेर- " ए मुसलमान तीन बातों में है तेरी निजात, इल्म पढ़, दौलत कमा और दीन का पाबंद रह" इन हालातों से निपटने के लिए कहा गया था । **-डॉ. एस. खान**

## डिजिटल दुनिया में खोती असलियत, कौन है किसका मालिक

21वीं सदी को अगर "डिजिटल युग" कहा जाए, तो यह कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। विज्ञान और तकनीक के इस युग में मोबाइल फोन एक ऐसा आविष्कार बनकर उभरा है, जिसने हमारी जीवनशैली को पूरी तरह बदलकर रख दिया है। पहले जहाँ यह सिर्फ संचार का माध्यम था, वहीं आज यह मनोरंजन, शिक्षा, व्यापार, स्वास्थ्य, सोशल मीडिया और दुनिया से जुड़ाव का सबसे बड़ा जरिया बन चुका है। परंतु इसी विकासशीलता के बीच एक गूढ़ प्रश्न खड़ा होता है "मोबाइल आपकी जेब में है, या आप मोबाइल की जेब में हो" यह सवाल जितना सरल दिखाई देता है, उतना ही गहरा और विचारोत्तेजक है। मोबाइल आधुनिकता का वरदान या मानसिक बंधन:- शुरुआत में मोबाइल ने मानव जीवन को सुविधाजनक बनाने में अद्वितीय योगदान दिया। दूरियां मिट गईं, सूचना की उपलब्धता त्वरित हो गई, और विश्व एक "ग्लोबल विलेज" में तब्दील हो गया। परंतु जैसे-जैसे तकनीक ने छलांग मारी, मोबाइल धीरे-धीरे एक साधन से ज्यादा आधिपत्य बनता चला गया। आज यह हमारी सोच, समय, संबंध और यहां तक कि संवेदनाओं पर शासन करने लगा है। हम सोचते हैं कि हम मोबाइल चला रहे हैं, पर क्या वाकई ऐसा है हम सुबह आंख खोलते ही सबसे पहले मोबाइल स्क्रीन देखते हैं, रात को सोने से पहले वही अंतिम दृश्य होता है। दिनभर हम बार-बार फोन उठाते हैं कभी सोशल मीडिया, कभी नोटिफिकेशन, कभी चैट्स। कभी-कभी तो ऐसा लगता है जैसे हमारा समय, हमारी ऊर्जा और हमारी एकाग्रता सब कुछ उसी छोटी सी स्क्रीन में समाहित हो गई है। मानवता बनाम वर्चुअल दुनिया:- मोबाइल ने हमें पूरी दुनिया से जोड़ दिया है, पर हमारे अपने करीबी हमसे दूर होते जा रहे हैं। पहले जहां परिवार के लोग एक साथ बैठकर बातचीत करते थे, आज वे एक ही छत के नीचे होते हुए भी एक-दूसरे से कटे रहते हैं वो भी एक मोबाइल की वजह से। बच्चों का बचपन अब खेल के मैदान में नहीं, बल्कि गेमिंग ऐप्स में कैद हो चुका है। युवा वर्ग अपनी पहचान इंस्टाग्राम, सोशल मीडिया फॉलोअर्स से आंकने लगा है। बुजुर्गों की बातें अब ध्यान से नहीं सुनी जातीं, क्योंकि हमारे पास स्क्रॉल करने के लिए समय है पर उनकी बात सुनने के लिए नहीं। तकनीक का दास नहीं उसका स्वामी बनें:- मोबाइल अच्छा है या बुरा उसके उपयोग का संतुलन कहां है क्या हम उसका प्रयोग अपनी उत्पादकता बढ़ाने, ज्ञान अर्जन करने और जीवन को बेहतर बनाने के लिए कर रहे हैं, या वह हमारे मन, समय और रिश्तों को धीरे-धीरे निगल रहा है। मोबाइल एक अद्भुत साधन है लेकिन हमें साधक रहना चाहिए, साधन वह है। जब साधन ही साधक पर हावी हो जाए, तो जीवन में असंतुलन उत्पन्न होना तय है। मोबाइल आपकी जेब में है, या आप मोबाइल की जेब में हो, यह एक चेतावनी है, एक दर्पण है जो हमें हमारे भीतर झांकने के लिए प्रेरित करता है। मोबाइल को अपनी सुविधा का माध्यम बनाएं, न कि जीवन का केंद्र। अपने रिश्तों को स्क्रीन के पीछे नहीं, आंखों में देखकर निभाएं। ज्ञान को गूगल से नहीं, अनुभव से अर्जित करें। और सबसे अहम मोबाइल से जुड़े, पर उससे जकड़े नहीं। क्योंकि असली आज़ादी तब है, जब मोबाइल हमारी जेब में हो हम उसकी जेब में नहीं।

**जयंती विशेष**

कृष्ण प्रताप सिंह

## अटल जी को 'गुरुदेव' कहते थे चन्द्रशेखर

वर्ष 1927 में 17 अप्रैल को यानी आज के ही दिन उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक बलिया जिले में स्थित इब्राहिमपट्टी गांव के एक सामान्य परिवार में जन्मे देश के आठवें प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर का कोई आधी शताब्दी का राजनीतिक जीवन कई चढ़ाव-उतारों से भरा रहा। वे कभी राजनीतिक अस्पृश्यता व असहिष्णुता के फेर में नहीं पड़े और 2007 में आठ जुलाई को इस संसार से अजातशत्रु के रूप में विदा हुए। उनकी अजातशत्रुता की एक मिसाल यह भी है कि अलग-अलग और परस्पर विरोधी खेमों में रहने के बावजूद वे अटल बिहारी वाजपेयी को हमेशा 'गुरुदेव' कहकर ही बुलाते रहे। वे 'गुरुदेव' से पहले प्रधानमंत्री बन गये तो भी उनका यह सम्बोधन नहीं बदला। जब भी संसद में अटल भाषण दे रहे होते और विरोधी नेता शोरगुल करते, वे शोरगुल शांत कराने की कोशिश जरूर करते थे। यह और बात है कि अटल के प्रधानमंत्रीकाल में वे उनकी कई नीतियों के मुखर आलोचक भी रहे। एक समय तो वे उनसे यह कहने से भी नहीं चूके थे कि 'गुरुदेव, अगर आप सर्वोच्च पद पर रहते हुए भी देश का काम नहीं कर पा रहे तो आपको हट जाना चाहिए।' इस संयोग की कई हल्कों में आज भी रस लेकर चर्चा की जाती है कि इनमें शिष्य अपने गुरुदेव से पहले प्रधानमंत्री बन गया था, लेकिन सर्वश्रेष्ठ सांसद बनने में वह उनसे पिछड़ गया था। बहरहाल, हम जानते हैं कि अपने कई दशक समाजवादी आंदोलन को देने के बाद चन्द्रशेखर कांग्रेस में जाकर 'युवा तुर्क' तो कहलाये थे, लेकिन उन दिनों की उसकी शीर्षस्थ नेता इंदिरा गांधी से वैचारिक असहमतियों ने उसमें उनकी पारी लम्बी नहीं होने दी थी। 1975 में इंदिरा गांधी ने देश पर इमर्जेंसी थोपी तो विपक्षी नेताओं के साथ उनको भी जेल भेज दिया था। 1977 में वे इंदिरा के विरुद्ध हुए जनता पार्टी के प्रयोग में शामिल होकर उसके अध्यक्ष पद तक पहुंचे। कोई दशक भर बाद जनता दल नामक प्रयोग में 10 नवम्बर, 1990 को बेहद विपरीत परिस्थितियों में वे तब देश के आठवें प्रधानमंत्री बने, जब अयोध्या मामले को लेकर रथयात्रा निकाल रहे वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को बिहार में गिरफ्तार कर लिया गया और उससे खफा भाजपा ने विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार से समर्थन वापस लेकर उसे गिरा दिया। यह सरकार गिर जाने के उपरांत सत्तारूढ़ जनता दल में फूट पड़ गई थी और उसके सांसदों के एक गुट ने चन्द्रशेखर के नेतृत्व में सरकार बनाने के लिए उसने उस कांग्रेस का 'बाहरी समर्थन' लेने से भी परहेज नहीं किया था, जिसके खिलाफ उसने साल भर पहले चुनाव लड़ा था। इसलिए चन्द्रशेखर के शपथग्रहण के दिन से ही देश को पता था कि उनकी सरकार की उम्र बहुत लम्बी नहीं होने वाली और चन्द्रशेखर आठ महीने से कुछ कम ही प्रधानमंत्री की कुर्सी पर रह पाये थे। इन आठ महीनों का इस अर्थ में बड़ा महत्व है कि बतौर प्रधानमंत्री उन्होंने जो भी फैसले लिये, किसी दबाव में आये बिना बहुत दृढ़ होकर लिये। उनसे उन्हें वापस लेने की मांग की जाने लगी तो भी बेलाग-लपेट यही कहा कि 'मैं राजीव गांधी नहीं हूं जो एक दिन में तीन बार फैसला बदलूं।' उन्हें सत्ता मिली तो देश की अर्थव्यवस्था की हालत बेहद खस्ता थी। देश की साख बचाने के लिए 21 से 31 मई के बीच देश का बीस हजार टन सोना स्विट्जरलैंड के यूबीएस बैंक में गिरवी रखना पड़ा था। चन्द्रशेखर ने इस विकट स्थिति का बहुत दृढ़ होकर सामना किया। अपनी आत्मकथा 'जीवन जैसा जिया' में प्रधानमंत्री बनने से पहले के अपने जीवन का जिक्र करते हुए चन्द्रशेखर ने लिखा है कि प्रधानमंत्री तो क्या, संसद सदस्य बनना भी उनके सपने में नहीं था। उन्हें लगता था कि सांसद जब भी आपस में मिलते होंगे, देश और समाज की गंभीर समस्याओं को हल करने पर ही विचार-विमर्श करते होंगे। लेकिन बाद में यह देखकर उन्हें बहुत निराशा हुई कि ऐसा नहीं था और सांसदों को आमतौर पर अपने घरों की चमक-दमक की ही ज्यादा फिक्र रहती थी। राज्यसभा के वर्तमान उपसभापति हरिवंश उनके प्रधानमंत्री काल में उनके अतिरिक्त सूचना सलाहकार हुआ करते थे। उन्होंने उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर पुस्तक लिखी है। हरिवंश के अनुसार चंद्रशेखर जीवनभर पूरी तरह फियरलेस थे और अपनी बात को लेकर सत्ता के शिखर पर बैठे लोगों से टकराने में अपनी दोस्ती तक को दांव पर लगा देते थे।

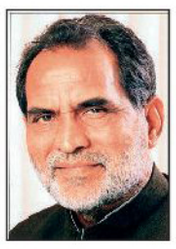

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

## वैयक्तिक अहंकार से प्रगति रुक जाती है

संकलित

**दर्शन**

निरन्तर विकसित होते रहना यह जीवन धर्म है। प्रगति जीवन के अस्तित्व की सूचक है। जहां जीवन है वहां प्रगति है, विकास है। जड़ता में जीवन कहां ? मानव ही नहीं पशु पक्षियों में भी विकास की प्रक्रिया गतिमान रहती है। मानव की विकास प्रक्रिया में एक विशेषता है कि वह अपने विकास को सम्यक दिशा दे सकता है। अक्सर प्रत्येक व्यक्ति अपना श्रेष्ठ विकास ही चाहता है किन्तु फिर भी वह उसे पाने में असफल रहता है तो उसका सबसे बड़ा कारण होता है अहंकार। अहंकार व्यक्ति को सही दिशा में बढ़ने नहीं देता। मानव उस दिशा में दो कदम बढ़ा भी देता है तो उसका अहंकार आकर खड़ा हो जाता है। और वो आगे बढ़े हुए कदम वापस पीछे ले जाता है । अर्हम् को प्राप्त करने के लिये अहं का त्याग करना होगा। अर्हम परमात्मा का वाचक शब्द है। हम इसके उपासक हैं किन्तु अहम का त्याग किये बिना अर्हम् की आराधना कैसे होगी ? आज अधिकांश व्यक्ति बहुत अधिक महत्वाकांक्षी हो गये हैं उन्हें अपनी पूछ और इज्जत चाहिये किन्तु वे औरों को इज्जत नहीं देना चाहते। यह अहंकार ही हमारी सारी विकास योजनाओं को असफल किये जा रहा है। हम ऊंचा लक्ष्य रख कर आगे बढ़ें, यह बुरा नहीं किन्तु अहंकार को छोड़े बिना उस लक्ष्य की प्राप्ति नहीं हो सकती।

## प्रार्थना के बाद भी भगवान नहीं सुन रहे?

संकलित

**प्रेरणा**

एक सेठ के घर के बाहर एक साधू महाराज खड़े होकर प्रार्थना कर रहे थे और बदले में खाने को रोटी मांग रहे थे। सेठानी काफी देर से उसको कह रही थी कि आ रही हूँ। रोटी हाथ में थी पर फिर भी कह रही थी कि रुको आ रही हूँ। साधू ईश्वर से प्रार्थना कर रहे थे और रोटी मांग रहे थे । सेठ ये सब देख रहा था पर समझ नहीं पा रहा था, आखिर सेठानी से बोला- रोटी हाथ में लेकर खड़ी हो, वो बाहर मांग रहे हैं, उन्हें कह रही हो आ रही हूँ तो उन्हें रोटी क्यों नहीं दे रही हो? सेठानी बोली- हाँ रोटी दूँगी, पर क्या है ना कि मुझे उनकी प्रार्थना बहुत अच्छी लग रही है, अगर उनको रोटी दे दूँगी तो वो आगे चले जायेंगे। मुझे उसकी प्रार्थना और सुननी है। यदि प्रार्थना के बाद भी भगवान आपकी नहीं सुन रहे हैं तो समझना कि उस सेठानी की तरह प्रभु को आपकी प्रार्थना प्यारी लग रही है, इसलिए इंतजार करो और प्रार्थना करते रहो। जीवन में कैसा भी दुःख और कष्ट आए पर प्रार्थना मत छोड़िए। क्या कष्ट आता है तो आप भोजन करना छोड़ देते हैं? क्या बीमारी आती है तो आप सांस लेना छोड़ देते हैं? नहीं ना? फिर जरा सी तकलीफ आने पर आप प्रार्थना करना क्यों छोड़ देते हो? कभी भी दो चीजें मत छोड़यि। भोजन छोड़ दोगे तो जिंदा नहीं रहोगे और प्रार्थना छोड़ दोगे तो कहीं के नहीं रहोगे। सही मायने में जिंदगी में प्रार्थना और भोजन दोनों ही आवश्यक हैं।

## पंजर भोकवा मेला

*पटना में बुधवार को पंजर भोकवा मेले के तहत निकाले गए धार्मिक जुलूस में भाग लेते लोग।*

### आज की पाती

**आठवें वेतन आयोग के गठन में विलंब क्यों?**

जनवरी 2025 में जब केंद्र सरकार ने आठवें वेतन आयोग के गठन की घोषणा की, तो देश भर के लाखों सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के चेहरों पर खुशी की लहर दौड़ गई। यह घोषणा उनके लिए किसी उत्सव से कम नहीं थी, क्योंकि वेतन आयोग का गठन न केवल उनकी आय को बढ़ाने का वादा करता है, बल्कि उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने और महंगाई के दबाव को कम करने का भी एक अवसर प्रदान करता है। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, यह उत्साह धीरे-धीरे निराशा और बेचैनी में बदलने लगा। अप्रैल माह भी आधा बीत गया, मगर अभी तक न तो वेतन आयोग के सदस्यों की नियुक्ति की गई है, न ही इसका कोई अध्यक्ष घोषित किया गया है। - *सुनील सक्सेना, भिलाई*

### ट्रेंड

**दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान**

राष्ट्रपति अलेक्जेंडर स्टब के साथ सार्थक बातचीत हुई। फिनलैंड यूरोपीय संघ का एक महत्वपूर्ण साझेदार देश है। हम अपने संबंधों को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर अपने दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान किया।

**-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

**संविधान से चलेगा देश**

कुछ लोग कह रहे हैं कि उनके लिए 'संविधान' से बढ़कर 'शरीयत' है, मैं 'उनसे' कहना चाहता हूं- भारत तो बाबा साहब के द्वारा बनाए गए संविधान से चलेगा, जहां शरीयत का कानून लागू होता है, उनको वहां जाना चाहिए...

**-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र**

**मुनियों पर हमला निंदनीय**

मप्र के नीमच में मंदिर में विश्राम कर रहे जैन मुनियों पर हिंसक हमला घोर निंदनीय है। इस मामले की गहरी जाँच हो न कि दिखावटी कार्रवाई और इस दुर्भाग्यपूर्ण कुकृत्य के पीछे की असली मंशा जगजाहिर हो कि सम्मानीय मुनियों के ऊपर ये घातक हमला क्यों हुआ।

**-अखिलेश यादव, सपा सांसद**

**महिला श्रम बल**

हमारी महिला श्रम बल भागीदारी दर में सुधार न केवल लैंगिक समानता के दृष्टिकोण से, बल्कि आर्थिक विकास और सतत विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है।

**-किरण मजूमदार, उद्यमी**

## करंट अफेयर

### मालदीव ने गाजा युद्ध के कारण लगाया प्रतिबंध

मालदीव ने गाजा में युद्ध के कारण इजराइली पासपोर्ट धारकों को देश में प्रवेश से रोकने के लिए अपने आव्रजन कानून में बदलाव किया है। राष्ट्रपति कार्यालय के एक बयान के अनुसार, संशोधन को सोमवार को संसद द्वारा पारित किया गया और मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इसे मंजूरी दी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह कानून दोहरी नागरिकता वाले उन लोगों पर लागू होगा या नहीं जिनके पास इजराइल और किसी अन्य देश का पासपोर्ट है। मंत्रिमंडल ने आव्रजन कानून में बदलाव का निर्णय लगभग एक वर्ष पहले लिया था, लेकिन सरकार ने इस सप्ताह इसे औपचारिक रूप दिया। बयान में कहा गया, 'यह बदलाव फलस्तीनी लोगों के खिलाफ इजराइल द्वारा किए जा रहे अत्याचारों और नरसंहार कृत्यों के जवाब में सरकार के दृढ़ रुख को दर्शाता है।' मालदीव मुख्य रूप से सुन्नी बहुल मुस्लिम राष्ट्र है जहां अन्य धर्मों का प्रचार प्रसार और पालन करना कानूनी रूप से प्रतिबंधित है। आव्रजन के उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में इजराइली पासपोर्ट वाले 59 लोग मालदीव पहुंचे।

## ऑफ बीट

### रात में पसीना आने के कई कारण हो सकते हैं

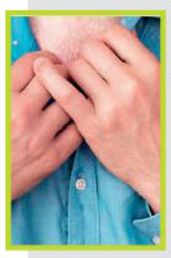

पसीना आना शरीर की शीतलन प्रणाली का एक सामान्य हिस्सा है, जो गर्मी छोड़ने और शरीर के इष्टतम तापमान को बनाए रखने में मदद करता है। लेकिन नियमित रूप से रात में जागना, अत्यधिक पसीने से भीगना सही नहीं है। मस्तिष्क में स्थित हाइपोथैलेमस, अंत:स्रावी तंत्र का हिस्सा है और शरीर के लिए तापमान नियंत्रण केंद्र है। इसमें तापमान सेंसर होते हैं जो केंद्रीय रूप से (अंगों में) और परिधीय रूप से त्वचा में स्थित तंत्रिका कोशिकाओं (थर्मोरिसेप्टर्स) से जानकारी प्राप्त करते हैं। थर्मोरिसेप्टर्स शरीर के तापमान में बदलाव का पता लगाते हैं, हाइपोथैलेमस को वापस संकेत भेजते हैं। ये संकेत या तो शरीर को ठंडा करने के लिए पसीने को सक्रिय करेंगे या शरीर को गर्म करने के लिए कंपकंपी को सक्रिय करेंगे। उम्र या लिंग कोई भी हो, किसी को भी रात में पसीना आने का अनुभव हो सकता है। लेकिन पुरुषों की तुलना में महिलाओं को रात में पसीना अधिक आता है, इसका मुख्य कारण रजोनिवृत्ति और संबंधित बदलते हार्मोन स्तर हैं। ऐसा माना जाता है कि एस्ट्रोजन के स्तर में बदलाव से नॉरपेनेफ्रिन और सेरोटोनिन के स्तर पर प्रभाव पड़ता है, ये दो न्यूरोट्रांसमीटर हैं, जो हाइपोथैलेमस में तापमान विनियमन को प्रभावित करते हैं।

रॉयल पत्रिका

# जमीनी स्तर पर राजनीतिक दलों की भागीदारी बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग की पहल

## -2 दिवसीय कार्यक्रम में 280 बीएलए शामिल

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने देश के राजनीतिक दलों की जमीनी स्तर पर भूमिका और भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से इन दलों के बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) को प्रशिक्षण देने की पहल की है। आयोग के प्रशिक्षण संस्थान इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईआईडीईएम), नई दिल्ली में बुधवार से बिहार के 10 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के लगभग 280 बीएलए के लिए 2 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ इस नवाचार का शुभारम्भ हुआ।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी ने अपनी तरह के पहले प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को संबोधित किया। इस आयोजन की परिकल्पना आयोग द्वारा 4 मार्च, 2025 को राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) के सम्मेलन के दौरान की गई थी. आयोग ने चुनाव प्रक्रियाओं में बीएलए के महत्व को रेखांकित करते हुए जोर दिया है कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम उन्हें जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951; निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960; चुनाव संचालन नियम, 1961 और समय-समय पर आयोग द्वारा जारी मैनुअल, दिशा-निर्देशों और निर्देशों में उल्लिखित उनकी भूमिका को समझने और उसे निभाने में मदद करेगा।

प्रशिक्षण के दौरान बीएलए को कानूनी ढांचे के अनुसार उनकी नामांकन अथवा नियुक्ति, भूमिका और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही, इन राजनीतिक हितधारकों को चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं और प्रक्रियाओं यथा मतदाता सूचियों की तैयारी, अद्यतन और संशोधन तथा इनसे जुड़े फॉर्म और प्रारूप आदि से भी परिचित कराया गया। उल्लेखनीय है कि बीएलए को मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नामित किया जाता है और वे जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के प्रावधानों के अनुसार त्रुटिरहित मतदाता सूचियां तैयार करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रशिक्षण के दौरान बीएलए को प्रकाशित अंतिम मतदाता सूचियों के विषय में आपत्ति होने की स्थिति में अधिनियम की धाराओं 24(क) और 24(ख) के तहत पहली और दूसरी अपील के प्रावधानों के उपयोग में भी जानकारी दी गई।

**राजस्थान में राजनीतिक दलों के 1,100 से अधिक प्रतिनिधियों ने बैठकों में हिस्सा लिया**

राजस्थान में मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने भी 28 मार्च को राज्य के प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की थी। इसमें राजनीतिक दलों की ओर से बूथ लेवल अभिकर्ताओं (बीएलए) को नामित करने, चुनावी प्रक्रिया में उनकी भूमिका और प्रशिक्षण आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई थी। इस क्रम में आयोग के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारियों और निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के स्तर पर भी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई, जिनमें 1,100 से अधिक प्रतिनिधियों ने भागीदारी की।

# राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों की विशेष समीक्षा बैठक ली

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने तकनीकी शिक्षा के अंतर्गत नवाचार अपनाते हुए नवीन उपकरणों के आविष्कार में भारत को अग्रणी बनाने, अधिक से अधिक पेटेंट स्वीकृत करवाने, पाठ्यक्रम में बौद्धिक क्षमता विकास के लिए विशेष ध्यान देने के भी निर्देश दिए हैं।

बागडे बुधवार को राजभवन में विश्वविद्यालयों की विशेष समीक्षा बैठक में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने नई शिक्षा नीति को लागू किए जाने और 'नैक' एक्रीडिएशन के लिए विश्वविद्यालयों द्वारा की जा रही कार्यवाही के बारे में भी विशेष रूप से जानकारी ली तथा कहा कि राजस्थान के सभी विश्वविद्यालय शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें।

राज्यपाल ने कहा कि राजस्थान उच्च शिक्षा में बेहतर बने, इसके लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे, इसके लिए यदि नियमों में और कानून में बदलाव की भी आवश्यकता पड़ी तो किया जाएगा। उन्होंने मातृभाषा में शिक्षा, भारतीय ज्ञान परम्परा और संस्कारों से नई पीढ़ी को जोड़ने और नई शिक्षा नीति के आलोक में विश्वविद्यालयों को उत्कृष्ट पाठ्यक्रम तैयार कर अध्ययन अध्यापन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने 'नैक' के मापदंड के अनुसार विश्वविद्यालयों को अधिस्वीकृत करवाने के लिए कार्यवाही समयबद्ध करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप भारत वैश्विक स्तर पर ज्ञान संपन्न बने, इसके लिए सभी कार्य करे। उन्होंने राजस्थान के विश्वविद्यालयों को देशभर में अग्रणी किए जाने का भी आह्वान किया।

राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी ने राजस्थान में विश्वविद्यालयों में नवाचारों के साथ वैश्विक आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा और शोध पर विशेष ध्यान केन्द्रित किए जाने की आवश्यकता जताई। उच्च शिक्षा विभाग के सचिव भानु प्रकाश अटरू ने राजस्थान में कॉलेज और विश्वविद्यालय शिक्षा से संबंधित प्रगति के बारे में अवगत कराया।

# व्यावहारिक तौर पर राजस्व आधारित मॉडल हो विकसित - दिया कुमारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के समक्ष जवाहर कला केन्द्र के लिए की गई बजट घोषणा के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में बुधवार को पर्यटन भवन में शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति तथा जेकेके महानिदेशक रवि जैन की वीसी द्वारा उपस्थिति में जेकेके की अतिरिक्त महानिदेशक श्रीमती अलका मीणा द्वारा प्रस्तुतिकरण दिया।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने जेकेके हेतु आवंटित बजट राशि 8 करोड़ का रचनात्मक विकास कार्य करवाये जाने के निर्देश देने के साथ ही जेकेके संचालन के लिए कला और कलाकार का संरक्षण करने हेतु व्यावहारिक तौर पर राजस्व आधारित मॉडल विकसित किए जाने निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार कला और क्राफ्ट संरक्षित और विकसित करने हेतु संकल्पित है। कला और कलाकारों को नियमित मंच उपलब्ध हो तो कलाएं और क्राफ्ट जीवित और संरक्षित रहेंगे। उन्होंने जेकेके में विभिन्न प्रदर्शन स्थानों पर आने वालों को उस स्थान की विस्तृत जानकारी देने के लिए क्यूआर कोड लगाये जाने के निर्देश दिए।

दिया कुमारी ने जेकेके के डेटा को डिजिटाइज किये जाने, दैनिक होने वाले आयोजनों की आमजन को जानकारी देने के लिए हर बार लगाये जाने वाले होर्डिंग्स के स्थान पर होर्डिंग एलइडी लगवाए जाने, लाइब्रेरी का विकास करने, शिल्प ग्राम में राज्य भर के बेस्ट कला उत्पादों के बिक्री प्रदर्शन किये जाने के लिए आर्टिजन्स को नियमित अवसर दिए जाने के निर्देश दिए।

**सौर ऊर्जा अपनाओ - बिजली का खर्चा बचाओ—**

उपमुख्यमंत्री ने जेकेके में सोलर ऊर्जा का उपयोग करने के निर्देश देते हुए कहा कि ऐसा करने से बिजली का खर्चा बचेगा।

जेकेके की अतिरिक्त महानिदेशक श्रीमती अलका मीणा द्वारा आईटी और टेक्निकल कार्य के साथ सिविल कार्य करवाये जाने हेतु विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया गया।

# नई शिक्षा नीति के आलोक में आपदा प्रबंधन एवं भारतीय ज्ञान प्रणाली विषयक राज्य स्तरीय कार्यशाला आयोजित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि शिक्षा के अंतर्गत बच्चों को चुनौतियों से लड़ने वाला मन बनाने का कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने विभिन्न योजनाओं में शिक्षा में जो बजट आवंटित किया है वह विद्यार्थियों के विकास के लिए है।

शिक्षा से विद्यार्थी का मन विकसित होता है तो अपने आप ही आपदाओं से जूझने के लिए समाज तैयार होगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प के अंतर्गत मन, आचार, विचार भी विकसित होंगे। राज्यपाल ने विनोबा भावे के कथन की चर्चा करते हुए कहा कि जब देश आजाद हुआ और देश का झंडा बदला गया तभी शिक्षा नीति भी बनानी चाहिए थी। मगर यह बदली नहीं, इसलिए विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता नहीं बढ़ी। अब नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति जो बनी है वह विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास से और विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने से जुड़ी है।

राज्यपाल बागडे बुधवार को प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम उषा अभियान) के अंतर्गत आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा, सेवा भारती और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आलोक में आपदा प्रबंधन एवं भारतीय ज्ञान प्रणाली विषयक राज्य स्तरीय कार्यशाला में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने "मानव जोड़ो आदमी जोड़ो" की शिक्षा दी है। इस शिक्षा का अर्थ है, मन से लोगों से संबंध बनाए। देश प्रेम से युवा पीढ़ी जुड़े। विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, शारीरिक क्षमता बढ़े। इसलिए आदमी जोड़ने का कार्य हो। आदमी जोड़ने का अर्थ है, भारत को एक सूत्र में बांधा जाए।

उन्होंने नकल मुक्त शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी तभी यह संभव हो सकेगा। उन्होंने रटाने की बजाय मन से पढ़ने, पढ़ाने लिए कार्य किए जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वही ज्ञान सार्थक है जो समय के साथ प्रासंगिक रहे। नई शिक्षा नीति इसी आधार पर तैयार की गई है।

यह भारतीय ज्ञान परंपरा का वह आलोक है, जिसमें जीवन की तमाम आपदाओं से मुकाबला करने की दृष्टि है। उन्होंने कहा कि प्राचीन भारतीय ग्रंथों में आपदा के बाद पुनर्वास के तरीके भी बताए गए हैं।

आरंभ में उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों को प्रभावी ढंग से संचालित करने वाली संस्थाओं, कार्यक्रम अधिकारियों व स्वयंसेवकों को सम्मानित भी किया।

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने आपदा प्रबंधन से जुड़ी भारतीय ज्ञान परंपरा की चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय ग्रंथों में बाढ़, सूखा, भूकंप और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव के तरीके बताए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में भूस्खलन से बचाव के लिए उचित स्थान पर घर बनाना, बाढ़ से बचाव के लिए बांध और नहरें बनाना, और सूखा से बचाव के लिए पानी का संरक्षण की परंपराएं हमारे यहां आपदा प्रबंधन रूप में ही बनी। उन्होंने राजस्थान में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता पर के लिए किए जा रहे कार्यों के बारे में भी जानकारी दी।

इस दौरान अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख राजकुमार मटाले ने मुख्य वक्ता के रूप में आपदा प्रबंधन के अंतर्गत देश में समय—समय पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा किए गए कार्यों के आलोक में पाठ्यक्रमो में भारतीय ज्ञान परंपरा के संदर्भ में आपदा से बचाव के लिए मन से विद्यार्थी तैयार किए जाने पर जोर दिया। आरंभ में कॉलेज शिक्षा सचिव भानु प्रकाश अटरू, आयुक्त डॉ. ओम प्रकाश बैरवा ने राजस्थान में कॉलेज शिक्षा की प्रगति और नई शिक्षा नीति, ज्ञान परम्परा और आपदा प्रबंधन के पाठ्यक्रमों के संबंध में जानकारी दी।

# जल संसाधन विभाग की समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि संशोधित पीकेसी-ईआरसीपी (रामजल सेतु लिंक) परियोजना प्रदेश की महत्वाकांक्षी परियोजना है। जिसके माध्यम से प्रदेश के 17 जिलों में पेयजल एवं सिंचाई के साथ ही इन जिलों में स्थापित होने वाले उद्योगों को भी आवश्यकता के अनुरूप पानी मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि आगामी दो वर्षों में इस परियोजना को पूरा करने के लक्ष्य के साथ मिशन मोड पर कार्य किया जाए। राज्य सरकार इसके लिए संबंधित विभाग को मानव संसाधन, नियमों में सरलीकरण सहित अन्य सभी सहायताएं उपलब्ध कराएगी।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित जल संसाधन विभाग, इंदिरा गांधी नहर विभाग, सिंचित क्षेत्र विकास एवं जल उपयोगिता विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि इस परियोजना की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करते हुए प्रत्येक 15 दिन में मुख्यमंत्री कार्यालय को रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए एवं भूमि अवाप्ति के कार्यों में समन्वय के लिए विशेष रूप से अधिकारियों को नियुक्त किया जाए।

**20 अप्रेल को होगी बैठक—**

मुख्यमंत्री ने कहा कि यमुना जल समझौते के प्रथम चरण में ताजेवाला हैड से प्रदेश में जल लाने के लिए प्रवाह प्रणाली हेतु संयुक्त डीपीआर बनाने पर सहमति बनी है। इसी क्रम में डीपीआर के लिए गठित संयुक्त टास्क फोर्स की पहली बैठक 7 अप्रेल को यमुनानगर में हो चुकी है। उन्होंने कहा कि यमुना जल समझौते की डीपीआर को लेकर संयुक्त टास्क फोर्स की दूसरी बैठक 20 अप्रेल को पिलानी में होगी। उन्होंने अधिकारियों को नक्शे एवं अलाइमेंट की डिजाइन की तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने संशोधित पीकेसी ईआरसीपी परियोजना के पैकेज 1, 2 एवं 3 के अंतर्गत विवरण एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि परियोजना को त्वरित गति प्रदान करने के लिए प्रथम चरण में 9,600 करोड़ रुपये के कार्यों के कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इन पैकेजेज में भूमि अवाप्ति के अवार्ड, वन क्लीयरेंस एवं अन्य क्लीयरेंस के कार्य में गति लाई जाए। उन्होंने इस परियोजना में अब तक हो चुकी अधिगृहीत भूमि पर कार्य प्रारंभ करने का सुझाव दिया। साथ ही, उन्होंने भूमि अधिग्रहण से प्रभावित होने वाले लोगों के पुनर्वास की समुचित व्यवस्था के निर्देश भी दिए।

**प्राकृतिक डिप्रेशन को जलाशयों में परिवर्तित के कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए—**

शर्मा ने इंदिरा गांधी नहर विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि इंदिरा गांधी मुख्य नहर की बुर्जी पर बने हुए चार प्राकृतिक डिप्रेशन को जलाशयों में परिवर्तित के कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए जिससे कि चूरू, जैसलमेर और बीकानेर जिले में पेयजल उपलब्धता में अभिवृद्धि हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदिरा गांधी नहर परियोजना की लिफ्ट नहरों की समीक्षा करते हुए कहा कि फव्वारा सिंचाई पद्धति को विशेष रूप से विकसित किया जाए।

उल्लेखनीय है कि महाराजा गंगासिंह ने वर्ष 1927 में गंगनहर की शुरूआत की थी। हाल ही में मुख्यमंत्री के शिवपुर हैड निरीक्षण के दौरान वर्ष 2027 में शताब्दी वर्ष के रूप में मनाया जाने का फैसला लिया गया है।

# बजट घोषणाओं एवं रात्रि विश्राम की समीक्षा बैठक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 की विभागीय बजट घोषणाओं के कार्यों का शीघ्र समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए है। उन्होंने बजट घोषणाओं के कार्य में हो रही देरी पर चिंता व्यक्त की और अधिकारियों को समय से घोषणाओं को पूरा करने के लिए निर्देशित किया।

दिलावर बुधवार को पंचायती राज भवन स्थित सभागार में विभाग की वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 की बजट घोषणाओं के लम्बित प्रकरणों, कार्यों के क्रियान्वयन एवं अधिकारियों के रात्रि विश्राम के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में कार्यों को पूर्ण करने के लिए समय सीमा निर्धारित करते हुए कार्यवाही प्रारम्भ करें। उन्होंने स्वामित्व योजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त किया।

उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा की गई बजट घोषणाओं के लंबित प्रकरणों के त्वरित क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों द्वारा किए गए दौरों और रात्रि विश्राम की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायतों में गंदगी पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

इससे पूर्व जलग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग और फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी (एफईएस) के साथ वनस्पति सीड बैंक के संबंध में एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए गए।

अंत में बैठक में डॉ. जोगाराम शासन सचिव एवं आयुक्त पंचायती राज ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर मुहम्मद जुनैद, निदेशक जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, श्रीमती सलोनी खेमका, निदेशक स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) व अन्य विभागीय अधिकारी गण उपस्थित थे।

# विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने पूर्व राजपरिवार के अरविन्दसिंह मेवाड़ के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी बुधवार को उदयपुर प्रवास पर रहे। इस दौरान उन्होंने स्थानीय आयोजनों में भाग लिया। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी बुधवार सुबह विमान से डबोक एयरपोर्ट पहुंचे। वहां से सड़क मार्ग से सर्किट हाउस पहुंचे। देवनानी ने सिटी पैलेस स्थित शंभु निवास पहुंच कर उदयपुर के पूर्व राजपरिवार के अरविन्दसिंह मेवाड़ के निधन पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। देवनानी ने दिवंगत अरविन्दसिंह मेवाड़ के पुत्र डॉ लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ सहित परिवारजनों से मिलकर संवेदनाएं व्यक्त की। इसके पश्चात विधानसभा अध्यक्ष गीतांजलि अस्पताल पहुंचे तथा वहां उपचाररत राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा के पिता पूर्व केबिनेट मंत्री नंदलाल मीणा की कुषलक्षेम जानी। इसके अलावा देवनानी ने उदयपुर में ही श्री नारायणलाल शर्मा के निवास पर पहुंचकर उनके निधन पर संवेदना व्यक्त की।

# हजरत बाबा बुर्रहानुद्दीन चिश्ती का 5 दिवसीय वार्षिक मेला 17 से

मनोहरपुर, (रॉयल पत्रिका)। ताला ग्राम पंचायत की ऊंची डूँगरी पर विराजमान हिंदू मुस्लिम एकता के प्रतिक हजरत बाबा बुर्रहानुद्दीन चिश्ती रहमतुल्ला आलेह का पांच दिवसीय वार्षिक मेला 17 अप्रैल गुरुवार को झंडे के रस्म के साथ में विधिवत शुरू होगा जो की 20 अप्रैल रविवार को कूल की रस्म के साथ में विधिवत शहरी मेला संपन्न होगा इसके बाद में 21 अप्रेल सोमवार को गुदड़ी मेला भरेगा। ग्राम पंचायत ताला के सरपंच अमीर खान शेख़ ने बताया कि 17 अप्रैल गुरुवार से शुरू होने वाले पांच दिवसीय सालाना मेले का आगाज दरगाह के बुलंद दरवाजे पर झंडे की रस्म के साथ होगा 5 दिवसीय उर्स को लेकर दरगाह कमेटी सदस्य तैयारी को अंतिम रूप देने में जुटे हैं।

दरगाह के खादिमान ने बताया कि 17 अप्रैल को पहाडगंज जयपुर व भीलवाड़ा से आने वाले जायरीनों का जत्था बाण गंगा नदी पुलिया पर शाम 5 बजे असर की नमाज़ अदा कर जुलूस के रूप में दरगाह पहुंचेंगे इसके बाद वहां बुलंद दरवाजे पर झंडे की रस्म के साथ मेले का आगाज होगा!उर्स की व्यवस्थाओं को लेकर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी सतर्क है। ताला दरगाह के खादिमान ने बताया कि मेले की व्यवस्था को लेकर दरगाह कमेटी तैयारियों में जुटी हुई है ।

दरगाह के खादिमानो ने बताया कि 18 अप्रेल शुक्रवार को जुम्मे की नमाज पढ़ी जाएगी रात्रि 9 बजे बाद शाम को मिलाद शरीफ तकरीर व राजस्थान की प्रसिद्द कव्वाल पार्टियों द्वारा महफ़िल ए शमा का आयोजन होगा जिसमें सम्पूर्ण रात्रि तक बाबा की मान मनुहार की जाएगी। इसी प्रकार 19 अप्रैल शनिवार को रंग बिरंगे

कपड़ो में सज संवर कर विभिन्न वाहनों में सवार होकर बाबा के गीत गाते हुए हिन्द मुस्लिम जायरीनों के जत्थे आएंगे।

ईशा की नमाज के बाद में मिलाद ए पाक होगी इसके बाद में रात्रि 11 बजे बाद में महफ़िल ए शमा होगी इसमे भारत देश की मशहूर कव्वाल पार्टियों द्वारा बाबा की मान मनुहार की जाएगी।

इसी प्रकार 20 अप्रेल रविवार को सुबह 11 बजे सामूहिक कव्वाल पार्टियों द्वारा कूल की रस्म की अदायगी होगी इसी के साथ मे शहरी मेला सम्पन होगा।

## आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

| | | | |
|---|---|---|---|
| **बिजली फॉल्ट के लिए** | | **पानी के लिए** | |
| टोल फ्री नंबर | 18001806507 | जलदाय कार्यालय | 2706624 |
| वॉट्सएप नंबर | 9414037085 | फायर ब्रिगेड | 2747400 |
| कस्टमर केयर | 2203000 | **मेडिकल इमरजेंसी के लिए** | |
| आईवीआरएस | 1912 | एंबुलेंस | 102/108 |
| **कचरा गाड़ी के लिए** | | एसएमएस इमरजेंसी | 2518333 |
| ग्रेटर | 2747400 | महिला चिकित्सालय | 22610616 |
| सीवरेज लीकेज | 2607500 | जनाना हॉस्पिटल | 22378721 |
| हेरिटेज | 2607500 | SDMH | 22574189 |
| टोल फ्री नंबर | 14420 | SMS ब्लड बैंक | 22518222 |
| **पुलिस की मदद के लिए** | | कल्याण ब्लड बैंक | 22721771 |
| साइबर क्राइम | 1930/2360094 | **घायल पशुओं के लिए** | |
| कंट्रोल रूम | 2388435/36/37/38 | नगर निगम | 2747400 |
| ट्रैफिक कंट्रोल रूम | 2565630 | बर्ड बाइक | 9887345580 |
| चाइल्ड हेल्पलाइन | 1098 | हेल्प इन सफरिंग | 8107299711 |
| महिला हेल्पलाइन | 1090 | जनमंच ट्रस्ट | 7230055800 |
| मुख्यमंत्री पोर्टल | 181 | पशु चिकित्सालय | 2747400 |

# अधिवक्ता संगठन आइलाज ने किया ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन

कोटा, (रॉयल पत्रिका) ऑल इंडिया लॉयर्स एसोसिएशन फॉर जस्टिस राजस्थान प्रदेश ईकाई द्वारा ईद मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, अधिवक्ता सदस्यों ने एकत्रित होकर ईद की मुबारकबाद दी और एक दूसरे के साथ त्योहार की खुशियां बांटीं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि दिल्ली से आई संगठन की राष्ट्रीय समिति की सदस्या एडवोकेट सागरिका थी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने देश में बढ़ रहे वकीलों पर हमलों की विस्तृत जानकारी दी। राजस्थान की तर्ज पर दिल्ली प्रदेश में अधिवक्ता संरक्षण कानून बनाए जाने के लिए किए जा रहे प्रयासों को भी साझा किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि वकील समुदाय के बग़ैर कोई क्रांति देश में संभव नहीं है,फासीवादी सरकारें इस समय देश में वकीलों की आज़ादी को कमज़ोर करने का प्रयास कर रही है। वकीलों पर राजकीय दमन में बढ़ोतरी हुई है। इस मौके पर बोलते हुए कार्यक्रम संयोजक एडवोकेट अंसार इंदौरी ने संगठन के कार्यों पर प्रकाश डाला।

इस ईद मिलन कार्यक्रम में अधिवक्ता संगठन के सदस्यों और कई सामाजिक संगठन के लोगों ने भाग लिया और एक दूसरे के साथ त्योहार की खुशियां मनाईं। इस अवसर पर, सदस्यों ने ईद की मुबारकबाद दी और एक दूसरे के साथ प्रेम और सौहार्द की भावना को मजबूत किया। कार्यक्रम के दौरान, सदस्यों ने समाज में एकता और सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए चर्चा की। हम सभी को ईद की मुबारकबाद देते हैं और कामना करते हैं कि यह त्योहार हमारे जीवन में खुशियां और समृद्धि लाए। कार्यक्रम में मुख्य रूप से एडवोकेट ज़ाकिर हुसैन, एडवोकेट रईस अहमद, एडवोकेट शेरबानो, असिस्टेंट प्रोफेसर सबरीना अंसारी, एडवोकेट बिलाल नूरी,एडवोकेट अनीस पठान,एडवोकेट शारिक सहित कई अधिवक्ता और सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद थे।

# पानी और बिजली की निर्बाध आपूर्ति करें सुनिश्चित: जिला कलक्टर

## -गर्मी के मौसम में आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर बैठक आयोजित

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने कहा कि आने वाले गर्मी के मौसम में लू से जनहानि रोकने, आमजन को राहत पहुंचाने और आवश्यक सेवाओं को सुचारू बनाए रखने हेतु सभी विभागों को सामंजस्य के साथ कार्य करना होगा। जिला कलक्टर ने गर्मी के मौसम में आमजन को पानी और बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने एवं प्रभावी प्रबंधन के लिए सभी फील्ड अधिकारी एवं कर्मचारियों को मुख्यालय पर ही उपस्थित रहने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से बुधवार को मिनी सचिवालय सभागार, कलेक्ट्रेट परिसर में जिला कलक्टर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

जिला कलक्टर ने गर्मी के मौसम में आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर सभी उपखंड अधिकारियों, बिजली, पानी, चिकित्सा, पशुपालन, शिक्षा एवं महिला बाल विकास सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर समीक्षा की और निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल और बिजली की सप्लाई सुचारू रखें ताकि आमजन को कोई समस्या नहीं हो। उन्होंने समर कंटीजेंसी प्लान को तुरंत स्वीकृत कराकर काम शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा जिले में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए डिस्कॉम के अधिकारी बिजली आपूर्ति की सतत मॉनिटरिंग करें, और लाइनों में सुधार संबंधित कार्यों को समय पर पूरा करें।

जिला कलक्टर ने चिकित्सा विभाग को निर्देश दिए कि अस्पतालों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाइयों एवं आइस पैक, आइस क्यूब आदि की उपलब्धता सहित कूलर, पंखे, छाया, पानी एवं बैठने की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।

साथ ही, एम्बुलेंस में आपात स्थिति में उपचार हेतु आवश्यक दवा एवं उपकरण उपलब्ध हों। सभी चिकित्सा संस्थानों को लू प्रभावित व्यक्तियों के त्वरित उपचार के लिए तैयार रहने को कहा गया।

उन्होंने पेयजल आपूर्ति के लिए संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर आवश्यकतानुसार टैंकरों की व्यवस्था करने एवं समय पर पानी की सप्लाई, जल स्रोतों की सफाई एवं नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए। मंडी सचिव को मंडियों में किसानों के लिए छाया, पेयजल और प्राथमिक उपचार की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

जिला

कलक्टर ने कहा कि सभी उपखंड अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में संवेदनशील स्थानों की पहचान करें और व्यवस्थाओं की नियमित मॉनिटरिंग करें। उन्होंने सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे अपने कार्मिकों की टीमें बनाकर हीट वेव से बचाव हेतु किए गए उपायों की जमीनी स्थिति की रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

बैठक में सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, एडीएम (कार्यवाहक) अनिल चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी, पीएमओ डॉ. नरेंद्र मेघवाल, एसई एनएस बिलोटिया, संयुक्त निदेशक सतीश लहरी सहित सभी उपखंड अधिकारी, विभागीय अधिकारी एवं तकनीकी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# कांग्रेस सेवादल ने अम्बेडकर जयंती पर निकले जुलूस का किया भव्य स्वागत

**शब्बीर हुसैन**

बारां,(रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस सेवादल ज़िला मीडिया प्रभारी पार्षद ज़ाकिर खान ने बताया कि भारतीय संविधान के निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 134वीं जयंती पर बारां शहर में भव्य जुलूस निकाला गया, जिसका कांग्रेस सेवादल ने बंक के आगे शाहबाद रोड़ पर स्वागत किया। इस अवसर पर सेवादल ज़िला अध्यक्ष शिवशंकर यादव ने कहा डॉ. अम्बेडकर, जिन्हें हम बाबासाहेब के नाम से भी जानते है, वह एक प्रसिद्ध न्यायविद, अर्थशास्त्री और समाज सुधारक थे। इस अवसर पर हम सभी यह संकल्प ले कि उनके द्वारा बनाए हुए संविधान के आधार पर देश में अपना जीवन जिए, ना तो संविधान का उल्लंघन करें, न ही संविधान के विपरीत चले। इस अवसर पर डीसीसी उपाध्यक्ष अशरफ देशवाली, नगर अध्यक्ष रोहित गुर्जर, सेवादल उपाध्यक्ष कुलदीप मीणा भूलहेड़ी, विजय बैरवा, पार्षद ललित गुर्जर, शिवराज मीना, राजेंद्र यादव, जगदीश महावर, राकेश गौड़, पवन पांचाल, जुगल पांचाल, बहादुर सुमन, नरेंद्र यादव, आशाराम बैरवा, रहीम खान, रामप्रकाश बैरवा, अजय सेनी, सुरेश भांड आदि मौजूद रहे।

# कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के संबंध में आमुखीकरण प्रशिक्षण सम्पन्न

## -जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने कहा महिला कार्मिकों के लिए उपयोगी साबित होगा प्रशिक्षण

झुंझुनू, (रॉयल पत्रिका)। महिला अधिकारिता विभाग द्वारा बुधवार को सूचना केन्द्र सभागार में कार्य स्थल पर यौन उत्पीडन के संबंध में आमुखीकरण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर को बतौर मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुए जिला कलक्टर रामावतार मीणा ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण महिलाओं के लिए उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने में उपयोगी साबित होंगे। उन्होंने कहा कि कार्य स्थल पर महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार का शोषण या भेदभाव नहीं हो इसके लिए जिला प्रशासन एवं कार्यालयों में बनी समितियां नियमित मॉनिटरिंग करती है। उन्होंने कहा कि अगर कहीं किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होती है तो ठोस कार्रवाई की जाएगी।

महिला अधिकारिता के उप निदेशक विप्लव न्यौला ने स्थानीय समिति की आवश्यकता बनने के कारण व इसके कानून के बारे में विस्तार से बताया। आमुखीकरण प्रशिक्षण में रिसोर्स पर्सन पीयूष पोद्दार व समीक्षा झा मार्था फेरल फाउंडेशन दिल्ली ने विस्तार से कार्यस्थल पर महिलाओं के उत्पीड़न संबंधित सभी कानून, जांच, शिकायत के प्रकार, जवाब देही, निगरानी और निवारण के बारे में बताया। प्यारेलाल ढुकिया ने सरकारी के साथ-साथ निजी क्षेत्र में भी इस प्रकार के प्रशिक्षणों की आवश्यकता पर बल दिया। इस दौरान जिला स्तरीय समिति की सदस्या के रूप में अति. कोषाधिकारी प्रेरणा कालेर, प्रियंका लाम्बा, अति. पुलिस अधीक्षक हेमन्त कुमार, पीडब्लूडी के अधिक्षण अभियंता महेन्द्र झाझडिया, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के उप निदेशक डॉ. पवन पूनियां, जनसम्पर्क अधिकारी हिमांशु सिंह सहित जिला स्तरीय अधिकारी आंतरिक समाधान समिति के अध्यक्ष, आंतरिक समिति, स्थानीय समिति, ब्लॉक लेवल पर नामित सदस्यों को प्रशिक्षण दिया गया।

# जिला कलक्टर ने बामनवास में मनरेगा कार्यों का किया निरीक्षण

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने बुधवार को पंचायत समिति बामनवास की ग्राम पंचायत डाबर एवं बाढ़ मोहनपुर में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत संचालित विभिन्न कार्यों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने कार्य स्थलों पर श्रमिकों की उपस्थिति, उनके लिए छाया एवं पेयजल, मेडिकल जैसी मूलभूत सुविधाओं, कार्य की गुणवत्ता, निर्धारित समय सीमा के अनुसार प्रगति तथा संपूर्ण कार्य प्रणाली की बारीकी से जांच की। इस अवसर पर उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

जिला कलक्टर ने विकास अधिकारी बामनवास को निर्देश दिए कि मनरेगा के अंतर्गत संचालित सभी कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता, उत्तरदायित्व तथा श्रमिकों के समय पर भुगतान की सुनिश्चितता हो। उन्होंने कहा कि मनरेगा न केवल ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराने का सशक्त माध्यम है, बल्कि इसके माध्यम से ग्राम्य बुनियादी ढांचे का भी विकास होता है, कार्यों की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए।

इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत डाबर में मेट को ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को प्रदान किए।

इस अवसर पर उपखंड अधिकारी सुनील कुमार मीना, विकास अधिकारी नरेंद्र कुमार मीना, तहसीलदार बामनवास, एमआईएस मैनेजर थानवेंद्र अग्रवाल, जीटीए लोकेश शर्मा, ग्राम पंचायत प्रतिनिधि सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# विवेकानंदपुरम को मिली नई सौगात

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। कृषि, उद्यानिकी एवं ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने बुधवार को सवाई माधोपुर के रणथम्भौर रोड़ स्थित विवेकानंदपुरम में 32.05 लाख रुपये की लागत से सड़क मरम्मत एवं नाली निर्माण कार्य का शिलान्यास किया।

कृषि मंत्री ने कहा कि सड़क निर्माण कार्य से ग्राम हिम्मतपुरा, नयापुरा एवं समीपस्थ विद्यालयों के विद्यार्थियों और ग्रामीणों को आवागमन में बेहतर सुविधा मिलेगी। निर्माण के पूर्ण होने के पश्चात इन क्षेत्रों के नागरिकों को मुख्य मार्ग से सुगम और सुरक्षित संपर्क मिलेगा, जिससे विशेष रूप से विद्यार्थियों को लाभ पहुंचेगा।

उन्होंने कहा कि सड़क और नाली निर्माण कार्य क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी मांग रही है, जिसे आज पूरा करते हुए मुझे अत्यंत संतोष हो रहा है। यह विकास कार्य केवल आधारभूत ढांचे का निर्माण नहीं है, बल्कि यह हमारे बच्चों के सुरक्षित भविष्य और आमजन के सुगम जीवन की दिशा में एक ठोस कदम है। आने वाले समय में हम ऐसे और भी कार्यों को गति देंगे, जिससे हर गांव, हर गली विकास की मुख्यधारा से जुड़ सके।

इस अवसर पर तहसीलदार विनोद शर्मा, यूआईटी एक्सईएन अमित गोयल, पूर्व सभापति राजेश गोयल, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष दीपक मीणा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

# जिला बाल संरक्षण इकाई एवं बाल अधिकारिता विभाग की बैठक आयोजित

## -बाल विवाह को रोकने के लिए संयुक्त अभियान

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिला बाल संरक्षण इकाई बाल अधिकारिता विभाग सहायक निदेशक राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि विभाग की जिला स्तरीय बैठक मिनी सचिवालय में एडीएम दिव्यांशु शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। एडीएम ने कहा कि बाल विवाह के मामले में अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रम, अभियान चलाकर बाल विवाह को रोकने का प्रयास किया जाए व उससे होने वाले दुष्परिणाम के बारे में स्कूल, छात्रावास, ग्राम पंचायत, आंगनबाड़ी केन्द्र एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जनसम्पर्क कर बाल विवाह को रोकने के लिए कार्यशाला व कार्यक्रम आयोजित किए जाए। उन्होंने बाल विवाह का आयोजनकर्ता (रिश्तेदार, बारातियों, पंडित, हलवाई, टेन्ट व बैंड बाजा आदि) व अन्य जुड़े लोगों से बाल विवाह प्रथा को समाप्त करने में सहयोग प्रदान करने की अपील की। साथ ही जिले में बाल विवाह के मामलों की संख्या को शून्यकरण करने का निर्णय लिया। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश मेहता ने बताया कि आखातीज (अक्षय तृतीया) पर होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलन में बाल विवाह पर सम्बन्धित विभाग व जिले में संचालित चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 निगरानी रखकर, बिना विलम्ब के सम्बन्धित अधिकारी व बाल कल्याण समिति को मौके पर सूचना कर अवगत करा सकते है।

बाल अधिकारिता व सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग के सहायक निदेशक ने कहा कि जिले में कहीं पर भी बाल विवाह कि सूचना मिलने व बाल विवाह होने पर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर सूचना दे और प्रशासन कि मदद से बाल विवाह रुकवाने में मुख्य प्रयास करें।

चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 समन्वयक कोऑर्डिनेटर ने बाल निषेध अधिनियम 2006, किशोर न्याय (बालकों की देखरेख और संरक्षण) अधिनियम 2015, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 के अनुरूप बाल विवाह रोकने के विषय पर जानकारी दी।

बैठक में सामाजिक न्याय अधिकारिता विभाग, सहायक निदेशक शुभम नागर, अध्यक्ष ओमप्रकाश मेहता व बाल कल्याण समिति सदस्य आफाक अहमद, बाल अधि. विभाग संरक्षण अधिकारी लोकेश सेन, एसपीओ कोमल प्रसाद, महिला अधिकारिता विभाग पुष्पा शर्मा, चाइल्ड हेल्प लाईन से मनीश राठौर, प्रियंका खत्री, सुरभि गौतम, श्वेता अदलक्खा, शिशु गृह से कीर्ति चतुर्वेदी, रेखा शर्मा, राजेश कुमार मीणा, जगदीश सुमन, सृष्टि सेवा संस्थान से विजय कुशवाह, कमल प्रजापति आदि उपस्थित रहें।

# पेयजल, लू-तापघात एवं एमएसपी पर खरीद को लेकर बैठक

## - अंतिम छोर के घरों में जाकर जल दबाव की जांच करने के निर्देश

हनुमानगढ़, 9 रॉयल पत्रिका)। ग्रीष्म ऋतु की गंभीरता, आगामी नहरबंदी, पेयजल आपूर्ति, हीटवेव से बचाव तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर फसल खरीद की व्यवस्थाओं को लेकर जिला कलेक्टर काना राम की अध्यक्षता में बुधवार जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने कहा कि एसडीएम ग्राम पंचायत स्तर पर निरीक्षण करें, अंतिम छोर के घरों में जाकर जल दबाव की जांच करें तथा निरीक्षण की रिपोर्ट साझा करें। साथ ही, बस स्टैंड व अस्पतालों में प्याऊ, सरकारी कार्यालयों में पक्षियों के लिए परिंडे तथा जोहड़ों व पशु खेलियों में पानी की व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश भी दिए।

**ग्रीष्मकालीन पेयजल आपूर्ति के लिए पुख्ता प्रबंध**

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधीक्षण अभियंता विजय वर्मा ने बताया कि जिले के 7 शहरी क्षेत्रों में से 5 शहर इंदिरा गांधी नहर प्रणाली के पेयजल से लाभान्वित हैं, जबकि टिब्बी भू-जल पर आधारित है। वर्तमान में 5 शहरों में 24 घंटे और नोहर व रावतसर में 48 घंटे के अंतराल से जलापूर्ति की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों के 1323 गांव 308 जल योजनाओं से जुड़े हैं, जिनमें जल मांग के अनुसार आपूर्ति की जा रही है।

जिले में 25 मार्च से 23 अप्रैल तक आंशिक और 24 अप्रैल से 23 मई तक पूर्ण नहरबंदी प्रस्तावित है। इस दौरान आवश्यक जलभंडारण पूर्ण कर लिया गया है।

भाखड़ा नहर प्रणाली से जुड़ी नोहर व भादरा की योजनाओं पर भी 25 मार्च से 15 मई तक पूर्ण नहरबंदी रहेगी। जल परिवहन हेतु टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर कार्यादेश जारी कर दिए गए हैं। पेयजल संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए जिला मुख्यालय पर नियंत्रण कक्ष (01552-260553) की स्थापना कर दी गई है।

**हीटवेव से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग सतर्क**

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने जानकारी दी कि सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर लू-तापघात से बचाव हेतु प्रशिक्षण, बेड आरक्षण, कूलर-पंखे, दवाइयां व आपातकालीन किट्स की व्यवस्था की जा चुकी है। नरेगा साइट, स्कूलों, ईंट भट्ठों और रेन बसेरों का निरीक्षण करने हेतु चिकित्सा अधिकारियों को पाबंद किया गया है। आमजन को जागरूक करने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से प्रचार-प्रसार भी किया जा रहा है। एम्बुलेंस स्टाफ को टाको मेथड का प्रशिक्षण और आईस पैक बॉक्स रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

**एमएसपी पर फसल खरीद की निगरानी के निर्देश**

जिले में 58 क्रय केंद्रों पर एमएसपी पर फसल की खरीद की जा रही है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि तहसीलदार व नायब तहसीलदार साप्ताहिक निरीक्षण करें। सभी केंद्रों पर सीसीटीवी, छाया और पानी की पर्याप्त व्यवस्था रहे। पटवारी व कृषि पर्यवेक्षकों की ड्यूटी रोटेशन आधार पर लगाई जाए और फसल का उठाव सही ढंग से सुनिश्चित किया जाए। बैठक में ब्लॉक स्तरीय अधिकारी वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए।

# जिला कलक्टर ने किया बामनवास उपखंड, तहसील एवं थाना का औचक निरीक्षण

## - थाने में व्यवस्थाओं का लिया जायजा

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने बुधवार को बामनवास क्षेत्र के उपखंड कार्यालय, तहसील कार्यालय एवं थाना का निरीक्षण कर विभागीय कार्यप्रणाली, नागरिक सेवाओं की स्थिति एवं कानून-व्यवस्था का जायजा लिया।

**उपखण्ड कार्यालय में लिया प्रकरणों का फीडबैक:-** निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने उपखंड अधिकारी से रूपांतरण, आईटीआई, नामांतरण, सीमाज्ञान, कन्वर्जन सहित विभिन्न राजस्व प्रकरणों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने उपखंड न्यायालय में 10 वर्ष से अधिक लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उनके शीघ्र निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि इन मामलों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए ताकि नागरिकों को समय पर राहत मिल सके।

उन्होंने उपखंड अधिकारी को रात्रि चौपाल एवं जनसुनवाई जैसे कार्यक्रमों को नियमित रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए, जिससे ग्रामीण स्तर पर लोगों की समस्याएं मौके पर ही सुनी और हल की जा सकें। साथ ही ई-फाइल प्रणाली की प्रगति की समीक्षा करते हुए समयबद्ध फाइल निस्तारण पर बल दिया।

**तहसील कार्यालय में जांची उपस्थिति और कार्यप्रणाली:-** तहसील कार्यालय के निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने कर्मचारियों की उपस्थिति पंजीका की जांच की, सीमाज्ञान के प्रकरण, ऑनलाइन कन्वर्जन, संपर्क पोर्टल, रिसीवरी प्रकरणों, नामतरणों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने राजस्व कार्यों की गति और सेवा वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने पर ज़ोर दिया।

**थाना निरीक्षण में देखी व्यवस्थाएं:-** बामनवास थाना निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर ने मालखाना, कम्प्यूटर कक्ष, बंदीगृह का निरीक्षण किया। उन्होंने मालखाने में जब्त वस्तुओं की सुव्यवस्थित रख-रखाव एवं उनके सुरक्षित संधारण के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कम्प्यूटर कक्ष की कार्यप्रणाली, एफआईआर पंजीकरण और ऑनलाइन शिकायत निस्तारण प्रणाली का अवलोकन किया।

बंदीगृह की स्थिति और सफाई व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि बंदियों के साथ मानवीय व्यवहार सुनिश्चित किया जाए और सुरक्षा मानकों में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। इस दौरान उपखंड अधिकारी सुनील कुमार, तहसीलदार बामनवास, डिप्टी बामनवास, थाना अधिकारी बामनवास सहित अन्य ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

# 7 वां खेलो इण्डिया यूथ गेम्स 4 से 15 मई तक

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 7 वां खेलो इण्डिया यूथ गेम्स-2025 का आयोजन 4 मई से 15 मई, 2025 तक बिहार में कुल 28 खेलों (20 व्यक्तिगत एवं 8 टीम गेम) में किया जा रहा है।

जिसके तहत राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद जयपुर द्वारा चयन स्पर्धा का आयोजन किया जाएगा। जिला खेल अधिकारी अब्दुल वहीद ने बताया कि बालक-बालिका वर्ग के लिए वॉलीबॉल एवं मलखंब खेल 17 अप्रैल को प्रातः 8 बजे एस.एम.एस. स्टेडियम जयपुर में, फुटबॉल खेल बालिका वर्ग 17 अप्रैल को प्रातः 8 बजे बी.वी.बी. विद्या आश्रम स्कूल, केएम मुन्शी मार्ग ओटीएस के सामने जयपुर में खेला जाएगा।

वहीं 18 अप्रैल को प्रातः 8 बजे रग्बी बालक-बालिका वर्ग चौगान स्टेडियम जयपुर में तथा 19 अप्रैल को प्रातः 8 बजे कबड्डी खेल बालक-बालिका वर्ग के लिए चौगान स्टेडियम जयपुर में खेला जाएगा। इसी प्रकार 21 अप्रैल को प्रातः 8 बजे बॉस्केटबॉल बालक के लिए एवं सेकप-तकरा बालक-बालिका वर्ग के लिए एस.एम.एस. स्टेडियम जयपुर में खेला जाएगा।

देश की शीर्ष अदालत ने की ऐतिहासिक टिप्पणी, भाषा कोई धर्म नहीं होती, यह संवाद का एक माध्यम

# सुप्रीम कोर्ट का सवाल, साइनबोर्ड पर उर्दू से चिढ़ क्यों? यह तो गंगा जमुनी तहजीब का आधार, इसे 'विदेशी' करार देना सरासर गलत

## अकोला जिले में पातुर नगर परिषद भवन पर उर्दू साइनबोर्ड को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक टिप्पणी में कहा कि उर्दू भाषा भारतीय संस्कृति की आत्मा का हिस्सा है और इसे किसी भी रूप में विदेशी करार देना सरासर गलत है। महाराष्ट्र के अकोला जिले में पातुर नगर परिषद भवन पर उर्दू साइनबोर्ड को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए कोर्ट ने इसे हिंदुस्तानी तहजीब का बेहतरीन नमूना बताया। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा कि भाषा कोई धर्म नहीं होती, न ही वह किसी मजहब की बपौती है। भाषा तो संस्कृति की वाहक है, संवाद का माध्यम है। अदालत ने कहा कि उर्दू भी भारत की ही उपज है, और यह गंगा-जमुनी तहजीब की जीवंत मिसाल है।

**उर्दू की ऐतिहासिक भूमिका रही**

*न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने यह फैसला सुनाया*

अदालत ने कहा कि उर्दू भी भारत की ही उपज है, और यह गंगा-जमुनी तहजीब की जीवंत मिसाल है।

**यह था मामला?**

पूर्व पार्षद की याचिका में पातुर नगर परिषद भवन के उर्दू साइनबोर्ड को गैरकानूनी बताया गया था। याचिकाकर्ता का तर्क था कि महाराष्ट्र स्थानीय प्राधिकरण (राजभाषा) अधिनियम, 2022 के तहत उर्दू का प्रयोग वर्जित है। लेकिन बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस दलील को खारिज कर दिया था, और अब सुप्रीम कोर्ट ने भी इस फैसले को बरकरार रखा है।

### उर्दू कोई विदेशी भाषा नहीं

अदालत ने इस धारणा को बिलकुल गलत बताया कि उर्दू भारत के लिए विदेशी है। उर्दू एक इंडो-आर्यन भाषा है, जो भारत में ही जन्मी और विकसित हुई। यह संवाद की जरूरतों से निकली और फ़ारसी, संस्कृत, हिंदी जैसी भाषाओं से घुलती-मिलती रही। फैसले में यह भी कहा गया कि स्वतंत्रता आंदोलन के समय 'हिंदुस्तानी' को राष्ट्रीय भाषा बनाने की दिशा में प्रयास हो रहे थे।

### न्यायपालिका की भाषा भी उर्दू से अछूती नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हलफ़नामा, पेशी, वकालतनामा जैसे कई शब्द भारतीय न्याय व्यवस्था में आज भी उर्दू के रूप में जीवित हैं। कोर्ट ने कहा कि अगर हम उर्दू को नकारते हैं, तो हम हिंदी को भी कमजोर करते हैं, क्योंकि दोनों में बहुत गहरा रिश्ता है। कोर्ट ने अपने फैसले में दो टूक कहा कि नगर परिषद के लिए उर्दू का प्रयोग संचार का माध्यम है, न कि कोई राजनीतिक या धार्मिक एजेंडा। हमें अपनी सभी भाषाओं से प्रेम करना चाहिए।

**भाषा से डरो मत उसे गले लगाओ**

अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने बेहद साहित्यिक भाषा में कहा कि भाषा धर्म का प्रतिनिधित्व नहीं करती। वह किसी समुदाय की विरासत होती है, उसकी आत्मा होती है। अदालत ने यह भी कहा कि हमें अपनी विविधता में सौंदर्य देखना चाहिए, क्योंकि भारत की असली पहचान उसकी भाषाई विविधता में ही छिपी है।

**खबर संक्षेप**

### बर्क का न्यायिक जांच आयोग में बयान दर्ज

**लखनऊ।** संभल में 24 नवंबर को हुए बवाल के मामले में आरोपी सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क

बुधवार को न्यायिक जांच आयोग के सामने बयान दर्ज कराने के लिए लखनऊ पहुंचे। आयोग ने उन्हें और एक विधायक के बेटे को आयोग के लखनऊ स्थित कार्यालय में पेश होने के लिए समन भेजा था। बर्क ने कहा, जवाब देना मेरा कर्तव्य है।

### मणिकर्णिका में रील के चक्कर में बही महिला

**मणिकर्णिका।** उत्तरकाशी के मणिकर्णिका में रील बनाते वक्त एक महिला भागीरथी नदी में बह

गई। हादसे के वक्त महिला की मासूम बच्ची 'मम्मी-मम्मी... चिल्लाती रही। अभी तक कोई सुराग नहीं मिला है। 14 अप्रैल को मणिकर्णिका में महिला नदी में डूब गई। नेपाली मूल की विशेषता घाट पर गई थी। रील के चक्कर में नदी में डूब गई।

### घर गिराने के बाद नगर निगम ने मांगी माफी

**नागपुर।** सांप्रदायिक हिंसा के आरोपियों की संपत्तियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने हिदायत दी थी कि

कोई भी कार्रवाई कानूनी प्रक्रिया अपनाए बगैर नहीं की जा सकती। मगर नागपुर नगर निगम ने दंगा आरोपी फहीम खान का दो-मंजिला मकान गिरा दिया। नगर निगम ने बॉम्बे हाई कोर्ट की बेंच के सामने माफी मांग ली है।

### त्रिनेत्र गणेश मंदिर में बच्चे को ले गया बाघ

**सवाई माधोपुर।** राजस्थान के सवाई माधोपुर के प्रसिद्ध त्रिनेत्र

गणेश मंदिर से एक दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। दोपहर 3 बजे दर्शन करने आए श्रद्धालुओं के बीच हड़कंप मच गया, जब एक बाघ जंगल से निकलकर आया और 6 साल के मासूम को उठाकर ले गया।

### जमीन खरीद मामले में दूसरे दिन ईडी के सामने पहुंचे वाड्रा, बोले

# राजनीतिक 'प्रतिशोध' के तहत की जा रही कार्रवाई, सब वक्त का खेल, समय बदलेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

**उनके और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ साजिश रची जा रही**

गुरुग्राम भूमि सौदे के मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को भी रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ की। लगातार दूसरे दिन पूछताछ से पहले जानेमाने कारोबारी ने बुधवार को कहा कि वह इन सबके लिए बहुत मजबूत हैं। उन्होंने भाजपा पर कटाक्ष करते हुए एक सियासी कार्टून भी पोस्ट किया।इसमें उन्होंने आरोप लगाया कि उनके और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ साजिश रची जा रही है। हमारे खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध के तहत कार्रवाई की जा रही है। सब वक्त का खेल है, समय बदलेगा। उन लोगों को भी झेलना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि मैं देश छोड़कर भागने वाला नहीं हूं। मैं सभी सवालों का जवाब दूंगा। मुझे कोई दिक्कत नहीं है, आप जितनी चाहें उतनी एजेंसियों का इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि हरियाणा में जब इसकी जांच हुई तो प्रशासन ने पाया कि कुछ भी गलत नहीं हुआ। खट्टर जी ने मुझे उसी मामले में क्लीन चिट दे दी। मुझे समझ नहीं आ रहा कि 7 साल बाद फिर मुझसे पूछताछ क्यों हो रही है?

गुरुग्राम भूमि सौदे के मामले में बयान दर्ज

**मैं देश छोड़कर भागने वाला नहीं**

**मैं निर्दोष, सत्य की जीत होगी**

**वाड्रा ने** कहा कि वह निर्दोष हैं और सत्य की जीत होगी। **वाड्रा ने फेस**बुक पर पोस्ट किया कि मेरे जन्मदिन के सप्ताह के दौरान की जा रहीं सेवाएं कुछ दिनों के लिए रोक दी गई है। मैंने बुजुर्गों को भोजन कराने और बच्चों को उपहार देने की जो योजनाएं बनाई हैं, उन्हें मैं तब तक जारी रखूंगा, जब तक कि सरकार मुझे अच्छे काम करने और अल्पसंख्यकों के प्रति उनके अन्यायपूर्ण व्यवहार के बारे में बोलने से नहीं रोकतीष।

**ये झूठा मामला : गहलोत**

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की कार्रवाई पर कहा, देश में इस तरह का माहौल बनाया जा रहा है, जैसे कोई बहुत बड़ा घोटाला हो गया है। भाजपा बार-बार लोकतंत्र की हत्या करने के काम करते हैं। ये बहुत खतरनाक है। ईडी पहले भी जांच कर चुकी है। क्लीन चिट भी मिल चुकी है। अब फिर से मामला शुरू कर दिया। ये झूठा मामला है, इसमें कोई दम नहीं है।

### *ईडी ने पहली बार की ऐसी कार्रवाई*

*यह संभवतः पहली बार है, जब ईडी का धनशोधन मामला अधीनस्थ अदालत द्वारा एक निजी शिकायत का संज्ञान लेने और उसके बाद मुकदमा शुरू करने के लिए आरोपियों को समन जारी करने से उपजा है। एजेंसी आमतौर पर पीएमएलए के तहत, अधिनियम की अनुसूची ए और बी में सूचीबद्ध अपराध का संज्ञान लेती है।*

**कांग्रेस ने देशभर में किया प्रदर्शन**

### एजेंसियों का दुरुपयोग हो रहा विरोधियों को दबाया जा रहा

ईडी ने कांग्रेस के नेशनल हेराल्ड से जुड़े केस में चार्जशीट दाखिल की है। इसके खिलाफ कांग्रेस ने देशभर में प्रदर्शन किया। पार्टी का आरोप है किसरकार राजनीतिक विरोधियों को दबाने ईडी का दुरुपयोग कर रही है। कांग्रेस राज्य मुख्यालयों में ईडी कार्यालयों के सामने,राज्यों में जिला स्तर पर केंद्र के कार्यालयों के सामने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन कर रही है। इसके बाद स्थिति को देखते हुए पुलिस भी वहां पहुंच गई है और कई लोगों को हिरासत में ले लिया है।

**ये बोले कांग्रेस नेता**

### एजेंडा सिर्फ विपक्ष को परेशान करना: प्रतापगढ़ी

केंद्र के खिलाफ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन में अब पार्टी सांसद इमरान प्रतापगढ़ी का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि जिस एजेंसी के जरिए लड़ाई को कोर्ट तक ले जाया गया है, उसकी मंशा सिर्फ विपक्ष को परेशान करने की है। गुजरात में सत्र होता है, राहुल गांधी मोडासा पहुंचते हैं और यहां चार्जशीट दाखिल हो जाती है। आप क्रोनोलॉजी समझिए।

**यह राजनीति से प्रेरित मामला: पायलट**

केंद्र के खिलाफ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस नेता सचिन पायलट का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि यह राजनीति से प्रेरित मामला है। हमें न्याय व्यवस्था पर भरोसा है। हम कानूनी रूप से इसका मुकाबला करेंगे।

### मेरे पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं: वाड्रा

वाड्रा ने आरोप लगाया कि संघीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनके पास छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैंने पहले जिन सवालों के जवाब दिए हैं, उन सभी के जवाब फिर से देने पड़ रहे हैं। कोई मुद्दा ही नहीं है।

**नासिक में धार्मिक स्थल पर बुलडोजर चला**

# भीड़ और पुलिस में भिड़ंत 21 घायल, 15 लोग अरेस्ट

एजेंसी ▶▶ नासिक

महाराष्ट्र के नासिक में धार्मिक स्थल पर बुलडोजर कार्रवाई पर बवाल हो गया। धार्मिक स्थल को गिराने पर गुस्साई भीड़ ने पुलिस पर हमला बोल दिया। इसमें 21 पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ ने तीन पुलिस वाहनों में तोड़फोड़ कर दी। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। आंसू गैस के गोले छोड़े और स्थिति को नियंत्रण में किया। 15 लोगों को हिरासत में लिया है। अन्य की तलाश जारी है। पुलिस ने बताया कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने शहर के काठे गली इलाके में स्थित अनधिकृत सतपीर बाबा दरगाह को हटाने का आदेश दिया था। नासिक के पुलिस आयुक्त संदीप कार्णिक ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के मुताबिक सतपीर दरगाह के ट्रस्टियों ने मंगलवार रात को ढांचे को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी। उस्मानिया चौक पर भीड़ जमा हो गई।

**उपद्रवियों के पथराव में कई वाहन क्षतिग्रस्त**

पुलिस अधिकारियों ने भी उन्हें शांत करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने उनकी बात भी नहीं मानी। उपद्रवियों ने पथराव किया और कुछ वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। हमले में तीन पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। दरगाह को सुबह ध्वस्त कर दिया गया। संदिग्धों की 57 मोटरसाइकिलें जब्त की गई हैं। फिलहाल स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है।

### 50 एनएमसी कर्मियों ने की कार्रवाई

नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह नगर निगम ने अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान लगभग 50 एनएमसी कर्मियों ने 4 मिट्टी खोदने वाली मशीनों, 6 ट्रकों और 2 डंपरों से मलबा हटाया। इससे पहले फरवरी में नगर निगम की अतिक्रमण विरोधी टीम ने दरगाह के निकट कई अनधिकृत संरचनाओं को हटा दिया था। नासिक सेंट्रल की विधायक देवयानी फरांडे ने भी कहा था कि पूरे स्थल को साफ किया जाना चाहिए।

**भाजपा ने मुर्शिदाबाद हिंसा पर ममता को घेरा, मनाया शहीद दिवस**

# हम कायर हिंदू नहीं हैं, हम स्वामी विवेकानंद के हिंदू हैं: सुवेंदु

रॉयल पत्रिका

**ममता हिंदुओं की बलि चढ़ाना चाह रहीं**

मुर्शिदाबाद में वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान मारे गए हिंदू परिवार को श्रद्धांजलि देते हुए, भाजपा ने कोलकाता में राज्य विधानसभा के बाहर हिंदू शहीद दिवस मनाया। विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने पार्टी विधायकों की सभा का नेतृत्व किया। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। हिंदू आबादी भावुक है, यह दुखद है। पूरा राज्य सड़कों पर है और हिंदू शहीद दिवस मना रहा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ममता को पद छोड़ देना चाहिए। उन्हें जेल जाना चाहिए। हम कायर हिंदू नहीं हैं, हम स्वामी विवेकानंद के हिंदू हैं। भाजपा विधायक शंकर घोष ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हिंदू सुरक्षित नहीं हैं।

हम बार-बार कह रहे थे कि हमारे राज्य में हिंदू विरोधी सरकार सत्ता में आ गई है। ममता बनर्जी असली मुसलमानों से भी ज्यादा मुस्लिम बनने की अपनी हरकतों से हिंदुओं की बलि चढ़ाना चाहती हैं। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुस्लिम मौलवियों के साथ बैठक पर सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि यह एक सम्मानित बैठक थी। ये लोग दंगाई हैं। ममता बनर्जी उन्हें दिल्ली जाने और दिल्ली बंद करने के लिए उकसा रही हैं। दिल्ली जाने के लिए आपको उत्तर प्रदेश से होकर जाना होगा। ममता बनर्जी दिल्ली, बिहार और यूपी में सत्ता में नहीं हैं। वहां नीतीश कुमार और योगी आदित्यनाथ हैं।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि बीएसएफ, केंद्रीय बलों, वर्दीधारी बलों, सशस्त्र बलों को गाली देना टीएमसी की संस्कृति का अभिन्न अंग बन गया है। वे सेना, सीएपीएफ, सीआरपीएफ, एनएसजी, एनएसए, एनआईए और सभी एजेंसियों को गाली देते हैं और यह उनकी पुस्तिका बन गई है।न्यायालय ने कहा है कि मुर्शिदाबाद में केंद्रीय बल तैनात किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्हें बंगाल पुलिस पर कोई भरोसा नहीं है, कि ममता बनर्जी के सत्ता में आने के बाद से यह राजनीतिक हिंसा के लिए संस्थागत हो गई है। यह केवल दंगाइयों को बचाने और उनका बचाव करने के लिए किया जा रहा है, क्योंकि हम जानते हैं कि यह राज्य प्रायोजित हिंसा है, हिंदुओं पर राज्य प्रायोजित लक्षित हमले हो रहे हैं। रविशंकर प्रसाद ने बनर्जी पर निशाना साधते हुए पूछा कि क्या उनकी सरकार बुनियादी मानवीय मूल्यों के प्रति पूरी तरह असंवेदनशील हो गई है।

**मुस्लिम धर्म गुरुओं के साथ बैठक में बोलीं ममता**

# भाजपा समाज को बांट रही, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे, यहां हिंसा पूर्व नियोजित थी

## वक्फ पर बंगाल के कई शहरों में हिंसा, प्रदर्शन और हमले

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बेनर्जी ने मौलवियों और मुस्लिम धर्म गुरुओं के साथ बैठक की। यह बैठक वक्फ संशोधन अधिनियम के संबंध में थी। बैठक कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में हुई। ममता ने कहा कि उन्होंने कहा कि भारत की प्रगति में सभी धर्मों के लोगों ने भूमिका निभाई है, लेकिन भाजपा समाज को बांट रही है।

**भाजपा ने रामनवमी पर हिंसा की योजना बनाई थी**

ममता ने कहा कि भाजपा ने रामनवमी के दौरान दंगे कराने की योजना बनाई थी, लेकिन वह विफल रही। मैं लोगों को विभाजित नहीं होने दूंगी। हम भाजपा को केंद्र की सत्ता से बेदखल करने के बाद उसके लाए गए सभी जनविरोधी विधेयकों को वापस लेंगे। उन्होंने कहा कि सभी धर्मगुरु लोगों के पास जाएं, एकता का संदेश दें।

**योगी पर की अभद्र टिप्पणी**

बेनर्जी ने वक्फ एक्ट को लेकर इमामों के साथ एक बैठक में उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधते हुए कहा कि योगी सबसे बड़ा 'भोगी' है। योगी ने मंगलवार को ममता पर तीखा हमला बोला था।

**सैनिटरी कचरा का निपटान देशभर में एक बड़ी चुनौती**

# महाराष्ट्र का कराड एक रोल मॉडल के रूप में उभरा और उसने मानक स्थापित किया

## यहां प्रतिदिन लगभग 350 किलोग्राम जमा हो रहा

एजेंसी ▶▶ कराड

महाराष्ट्र के कराड में अस्पतालों, क्लीनिकों, घरों और अन्य स्थानों से प्रतिदिन लगभग 350 किलोग्राम सैनिटरी कचरा जमा किया जाता है। भारत में सैनिटरी कचरे का प्रबंधन बड़ी चुनौती है, इसका अनुचित तरीके से निपटान होने से पर्यावरण और स्वास्थ्य संबंधी खतरे पैदा होते हैं। सतारा जिले का एक छोटा शहर कराड इस मुद्दे से निपटने में एक रोल मॉडल के रूप में उभरा है। सैनिटरी और बायोमेडिकल कचरे के शत-प्रतिशत पृथक्करण, संग्रह और प्रसंस्करण के साथ, कराड ने प्रभावी और टिकाऊ कचरा प्रबंधन के लिए एक मानक स्थापित किया है।

**महिलाओं ने भी सहयोग किया**

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इसके बारे में बताया है। कराड नगर परिषद (केएमसी) ने महिलाओं के साथ मिलकर काम किया, जिससे महिला समूहों का गठन हुआ, जिन्होंने आवासीय क्षेत्रों में उचित सैनिटरी अपशिष्ट निपटान और पृथक्करण के बारे में जागरूकता बढ़ाने में प्रमुख भूमिका निभाई। स्कूलों को सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन और निपटान प्रणाली स्थापित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

**कांग्रेस ने किया केंद्र पर बड़ा हमला, बोले- सिंघवी और जयराम**

# 'मेक इन इंडिया' फेल, ये 'फेक इन इंडिया' चला रहे

रॉयल पत्रिका

नेशनल हेराल्ड मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच में आई तेजी ने राजनीति में एक बार फिर हलचल मचा दी है। कांग्रेस ने जहां सोनिया गांधी और राहुल गांधी को कथित रूप से फंसाने के खिलाफ देशभर में ओदोलन किए, वहीं पार्टी मुख्यालय में वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और अभिषेक मनु सिंघवी ने मोर्चा संभाला। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया के माध्यम से केंद्र पर तीखा हमला बोला। ईडी की चार्जशीट में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के नाम दर्ज करने को राजनीतिक प्रतिशोध और झूठा नैरेटिव करार दिया है।

पत्रकारों से बातचीत में राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील

अभिषेक मनु सिंघवी ने इस मामले को वास्तविक अर्थों में प्रतिशोध बताया। उन्होंने कहा कि ईडी एक फर्जी नैरेटिव बना रही है कि मनी लॉन्ड्रिंग हुई है। सिंघवी ने तर्क दिया कि एजेएल एक पुरानी कंपनी है, जो सफल नहीं हो सकी। कांग्रेस ने इसे 50 साल में अलग-अलग समय पर ऋण दिए और इसमें कोई अवैधता नहीं है। उन्होंने पहले भी कहा था कि यह मामला सरकार द्वारा अतिसंवेदनशील बनाया जा रहा है और इसका उद्देश्य राजनीतिक विरोधियों को परेशान करना है। सुप्रीम कोर्ट ने 2015 में सोनिया और राहुल को व्यक्तिगत पेशी से छूट दी थी, जो उनके लिए बड़ी राहत थी।

जयराम ने इस मामले को पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह द्वारा राजनीतिक प्रतिशोध और डराने-धमकाने की नीति करार दिया। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई देश का ध्यान आर्थिक संकट, अमेरिकी टैरिफ, चीन और बांग्लादेश के साथ तनाव जैसे मुद्दों से हटाने के लिए की जा रही है। रमेश ने इसे फर्जी नैरेटिव बताया और कहा, जब 'मेक इन इंडिया' फेल हो गया, तो ये लोग 'फेक इन इंडिया' चला रहे हैं।

### नेशनल हेराल्ड मामला

नेशनल हेराल्ड अखबार, जिसकी स्थापना 1938 में जवाहरलाल नेहरू ने की थी, एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) द्वारा प्रकाशित होता था। 2008 में वित्तीय संकट के कारण यह बंद हो गया। इस मामले में आरोप है कि कांग्रेस ने एजेएल को ऋण दिया, जिसे बाद में यंग इंडियन प्राइवेट लिमिटेड (वाईआई) ने अपने कब्जे में ले लिया। सोनिया गांधी और राहुल गांधी, जो यंग इंडियन में 38-38 फीसदी शेयरधारक हैं, पर ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगाए हैं। ईडी का दावा है कि एजेएल की 661 करोड़ रुपए की संपत्तियों को अवैध रूप से हस्तांतरित किया गया, जिसमें दिल्ली, मुंबई और लखनऊ में संपत्तियां शामिल हैं। 11 अप्रैल 2025 को, ईडी ने इन संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू की, और 15 अप्रैल 2025 को सोनिया गांधी (आरोपी नंबर 1), राहुल गांधी (आरोपी नंबर 2) और अन्य के खिलाफ प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत चार्जशीट दायर की। विशेष अदालत इस चार्जशीट पर 25 अप्रैल 2025 को सुनवाई करेगी।

स्पेशलः वर्ल्ड लिवर डे, 19 अप्रैल

मौजूदा दौर में अनहेल्दी लाइफस्टाइल और गलत डाइट हैबिट के कारण लोगों में लिवर के रोगग्रस्त होने की आशंका बढ़ गई है। इससे कई तरह की गंभीर बीमारियां हो सकती हैं, जिन्हें इग्नोर करना घातक हो सकता है। ऐसे में उन कारणों को समझना बहुत जरूरी है, जो लिवर को बीमार कर देते हैं। साथ ही इनसे बचने के उपाय और उपचार के बारे में भी जानिए।

# लिवर हेल्थ को कभी ना करें इग्नोर

## इन बातों पर दें ध्यान

- डॉक्टर की सलाह के बगैर पेनकिलर्स या फिर एंटीबायोटिक्स लेना लिवर की सेहत के लिए नुकसानदेह है।
- एंटीडिप्रेसेंट मेडिसिंस (अवसादरोधी दवाएं) के भी लिवर पर साइड और आफ्टर इफेक्ट्स हो सकते हैं। इसलिए ऐसी दवाओं का सेवन मनोरोग विशेषज्ञ के परामर्श से करें।
- दिन भर विभिन्न खाद्य पदार्थों के जरिए लगभग 3 से 5 ग्राम नमक (चाय की छोटी चम्मच की मात्रा भर) का सेवन किया जा सकता है। नमक का अधिक सेवन लिवर में सूजन के खतरे को बढ़ा देता है।
- ट्रांस फैट्स के सेवन से बचें। जब तेल में खाद्य पदार्थों को बार-बार तला जाता है तो ऐसे खाद्य पदार्थों में ट्रांस फैट्स की मात्रा बढ़ जाती है। ट्रांस फैट्स से निर्मित खाद्य पदार्थों में अतिरिक्त कैलोरीज होती हैं, जिससे वजन तेजी से बढ़ता है और ऐसे खाद्य पदार्थों के सेवन से कालांतर में लिवर की कोशिकाओं पर वसा की परत संचित होने लगती है, जिससे लिवर में सूजन संभव है।
- अत्यधिक शुगर और 'कृत्रिम स्वीटनर्स' युक्त खाद्य पदार्थों के सेवन से बचें, क्योंकि ये कालांतर में लिवर के लिए नुकसानदेह हैं।

डॉक्टर्स एडवाइस
डॉ. रणधीर सूद
चेयरमैन-गैस्ट्रोएंटेरोलॉजी डिपार्टमेंट
मेदांता दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

हमारे पाचन तंत्र का 'पावर हाउस' है यकृत (लिवर या जिगर), जो शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकाल बाहर करने का माध्यम भी है। शरीर के इतने महत्वपूर्ण अंग के स्वास्थ्य को बरकरार रखना बहुत महत्वपूर्ण है। अगर आप यहां दिए जा रहे लक्षणों में से कुछ लक्षणों से पीड़ित हैं और आपको राहत नहीं मिल रही है, पेट की समस्या जारी है तो इस स्थिति में डॉक्टर से परामर्श करने में देर न करें।

### बीमार लिवर के कुछ सामान्य लक्षण

- खाने का मन ना करना, भूख धीरे-धीरे कम होते जाना।
- अकसर पेट में दर्द या ऐंठन महसूस होना।
- पेट में अकसर सूजन होना।
- सामान्य डाइट के बावजूद वजन का कम होते जाना।
- पैरों में सूजन होना।
- बिना किसी संक्रमण के अकसर बुखार होना।
- बगैर श्रम किए हमेशा थकावट महसूस करना।
- पीलिया (जॉण्डिस) के लक्षण दिखना जैसे आंखों, नाखूनों और त्वचा के रंग का पीला होना।
- जी मिचलाना और अकसर दस्त होना।

### लिवर की गंभीर बीमारियां

लिवर कैंसर, लिवर सिरोसिस, हेपेटाइटिस और फैटी लिवर को प्रमुख बीमारियों में शुमार किया जाता है।

### बहुत खतरनाक है लिवर कैंसर

लिवर से संबंधित कोई भी बीमारी जो लंबे समय से जारी हो, वह लिवर कैंसर बन सकती है।

**कारणः** लिवर कैंसर होने के तीन प्रमुख कारण हैं- हेपेटाइटिस बी और हेपेटाइटिस सी। फैटी लिवर डिजीज। एल्कोहलिक लिवर डिजीज।

**रोकथामः** अगर लिवर कैंसर का कारण हेपेटाइटिस बी है, तो इसकी रोकथाम के लिए वैक्सीन उपलब्ध है। अगर हेपेटाइटिस बी के कारण लिवर में संक्रमण है तो शुरुआती दौर में इसका इलाज संभव है। हेपेटाइटिस सी के लिए वैक्सीन उपलब्ध नहीं है, लेकिन इसका इलाज संभव है। अगर एल्कोहलिक लिवर डिजीज के कारण लिवर कैंसर पनप चुका है तो ऐसी स्थिति में सबसे पहले शराब पीना बंद करना जरूरी है, क्योंकि यह समस्या काफी दिनों तक अत्यधिक शराब पीने के कारण होती है।

**लिवर कैंसर का इलाजः** सबसे पहले यह पता लगाया जाता है कि लिवर कैंसर की अवस्था (स्टेज) क्या है। ऐसे कैंसर की प्रारंभिक अवस्था में सर्जरी भी कर सकते हैं या फिर मरीज की स्थिति के मद्देनजर लिवर ट्रांसप्लांट भी किया जा सकता है। अगर कैंसर स्टेज 3 या 4 में है तो इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी के जरिए इलाज किया जाता है।

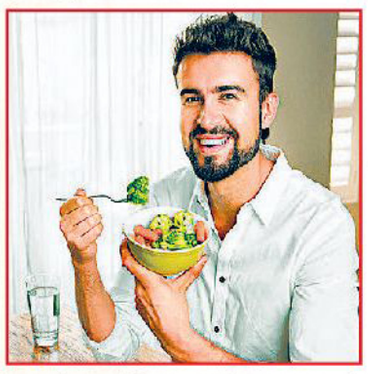

### लिवर सिरोसिस

**कारणः** उपरोक्त वर्णित लिवर कैंसर के जो कारण हैं, वे लिवर सिरोसिस के संदर्भ में भी लागू होते हैं। यही बात लिवर सिरोसिस की रोकथाम के संदर्भ में भी लागू होती है।

**लक्षणः** खून की उल्टी होना, आंत में रक्तस्राव होना, पेट में पानी भरना लिवर सिरोसिस के कुछ प्रमुख लक्षण हैं। इसके अलावा मरीज का अतार्किक बातें करना, जिसे सहज भाषा में मरीज का 'गफलत में जाना' भी कहते हैं। मरीज बेहोश भी हो सकता है। इसके अलावा मरीज के रक्त में हीमोग्लोबिन का स्तर भी गिर जाता है।

**रोकथाम-इलाजः** मरीज का अतिशीघ्र शराब छोड़ना जरूरी है। इसके अलावा लिवर सिरोसिस की स्थिति में पीड़ित व्यक्ति का इलाज उसकी शारीरिक स्थिति और लक्षणों के आधार पर किया जाता है। लिवर सिरोसिस को दवाओं से नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है।

### डाइट हैबिट से जुड़ा फैटी लिवर

अगर लिवर में 5% से ज्यादा वसा कोशिकाएं (फैट सेल्स) संचित हो जाती हैं तो इस स्थिति को फैटी लिवर डिजीज कहते हैं। फैटी लिवर का पता पेट के अल्ट्रासाउंड से लगता है। फैटी लीवर के दो प्रकार हैं- एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज और नॉन-एल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज। एल्कोहलिक फैटी लिवर काफी दिनों तक अत्यधिक शराब पीने से होता है, जिसकी रोकथाम के लिए सबसे पहले शराब छोड़ना होता है। इसके बाद मरीज को दवाएं भी दी जाती हैं।

**लक्षणः** दोनों प्रकार की फैटी लिवर की समस्याओं में अकसर पेट से संबंधित तकलीफें महसूस होती हैं। जैसे पेट दर्द, दस्त होना, पेट फूलना, गैस बनना, बदहजमी, भूख कम लगना और कब्जियत आदि।

**अनहेल्दी लाइफस्टाइल का नतीजाः** नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर के ज्यादातर मामले अनहेल्दी डाइट, नियमित रूप से व्यायाम या शारीरिक श्रम न करने और मोटापे के कारण बढ़ते हैं। जो लोग जंक फूड्स और अत्यधिक चिकनाई युक्त आहार को प्रतिदिन या अकसर ग्रहण करते हैं, उनमें नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर होने का खतरा बहुत ज्यादा होता है। इन दिनों युवा वर्ग भी बड़े पैमाने पर नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर समस्या से ग्रस्त हो रहा है। उनमें बढ़ती इस बीमारी का एक प्रमुख कारण फैटी फूड्स, फास्ट फूड और जंक फूड्स को अपने खान-पान में वरीयता देना है।

**इनको है ज्यादा रिस्कः** जो लोग मोटापे से ग्रस्त हैं या फिर जिनका बॉडी मास इंडेक्स 25 से ऊपर है, उनमें नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर होने का खतरा ज्यादा होता है। मोटापे से ग्रस्त जिन लोगों के पेट पर शरीर के अन्य भागों की तुलना में कहीं ज्यादा चर्बी संचित होती है, उन्हें फैटी लिवर होने का जोखिम ज्यादा है। मधुमेह ग्रस्त लोगों को फैटी लिवर का जोखिम ज्यादा रहता है। इसलिए ऐसे लोगों को ब्लड शुगर को नियंत्रण में रखना चाहिए। जिन लोगों के रक्त में कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का स्तर ज्यादा है, उनमें भी फैटी लिवर का जोखिम ज्यादा होता है। इस संदर्भ में डॉक्टर से परामर्श लेकर लिपिड प्रोफाइल टेस्ट करवाएं।

**रोकथाम-इलाजः** फैटी फूड्स और जंक फूड्स से जहां तक संभव हो परहेज करें। शारीरिक स्थिति और उम्र के अनुसार नियमित रूप से व्यायाम करें। बेहतर रहेगा कि आप व्यायाम करने से पूर्व इस संदर्भ में फिटनेस एक्सपर्ट और अपने डॉक्टर से परामर्श लें। जो लोग मोटापे के कारण फैटी लिवर की समस्या से ग्रस्त हैं, अगर वे अपने वजन को खान-पान और व्यायाम के जरिए 7 से 10% तक कम कर लेते हैं तो उन्हें काफी राहत मिल सकती है। अगर जीवनशैली में सकारात्मक परिवर्तन करने के बाद भी वांछित परिणाम नहीं मिलते तो फैटी लिवर से छुटकारा पाने के लिए दवाएं दी जाती हैं।

### हेपेटाइटिस के प्रकार और लक्षण

लिवर में संक्रमण और सूजन की स्थिति को हेपेटाइटिस कहते हैं। हेपेटाइटिस वायरल संक्रमण है, जिसके पांच प्रमुख प्रकार हैं- हेपेटाइटिस ए, हेपेटाइटिस बी, हेपेटाइटिस सी, हेपेटाइटिस डी और हेपेटाइटिस ई।

**हेपेटाइटिस ए और ईः** इन दोनों का वायरस दूषित खाद्य पदार्थों और प्रदूषित पेयजल के जरिए व्यक्ति को संक्रमित करता है। इसलिए दोनों हेपेटाइटिस से बचाव के लिए स्वच्छ खाद्य पदार्थ ग्रहण करें और शुद्ध जल पिएं। इन दोनों हेपेटाइटिस में लगभग 1% मरीज गंभीर स्थिति में पहुंचते हैं। इन मर्जों से ग्रस्त लोगों का इलाज लक्षणों के आधार पर किया जाता है। हेपेटाइटिस ए से बचाव के लिए वैक्सीन उपलब्ध है। अगर समुचित इलाज नहीं कराया गया तो हेपेटाइटिस ई गर्भवती महिलाओं और उनके गर्भस्थ शिशुओं को भी नुकसान पहुंचा सकता है।

**हेपेटाइटिस बीः** इससे बचाव के लिए टीका (वैक्सीन) उपलब्ध है। इसके अलावा कुछ दवाओं से इस मर्ज को नियंत्रित किया जा सकता है।

**हेपेटाइटिस सीः** इसके इलाज में दवाएं काफी हद तक कारगर हैं।

**हेपेटाइटिस डीः** जिन लोगों को हेपेटाइटिस बी का संक्रमण होता है, वही हेपेटाइटिस डी से ग्रस्त होते हैं। मरीज के लक्षणों के आधार पर इसका इलाज किया जाता है। *

प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला

### तब रहेगा लिवर हेल्दी

**अपने लिवर** को हेल्दी रखने के लिए यहां दिए जा रहे सुझावों पर अमल करें।

**वजन में करें 10% की कमीः** अगर मोटापे से ग्रस्त कोई व्यक्ति व्यायाम और कम कैलोरी युक्त खान-पान के जरिए अपने शरीर के वजन में लगभग 10% की कमी करने में सफल रहता है, तो वह लिवर से संबंधित बीमारियों से कुछ हद तक दूर रह सकता है। मोटापा आपके लिवर का शत्रु है। अपने बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) को 25 से ऊपर न जाने दें, इस संदर्भ में अपने डॉक्टर से परामर्श लें।

**लिपिड प्रोफाइल जांचः** समय-समय पर डॉक्टर के परामर्श से लिपिड प्रोफाइल जांच कराते रहें ताकि यह पता चल सके कि आपके रक्त में कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड का स्तर बढ़ा तो नहीं है। अगर ये स्तर बढ़ा है तो फिर डॉक्टर के परामर्श से दवाएं लें।

**शराब से दूरीः** हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार शराब और अन्य मादक पदार्थ लिवर पर अपना दुष्प्रभाव छोड़ते हैं। इसलिए इनके सेवन से परहेज करें।

**ब्लड शुगर करें नियंत्रितः** जो लोग मधुमेह से ग्रस्त हैं, वे रक्त शर्करा स्तर (ब्लड शुगर लेवल) को डॉक्टर के परामर्श से नियंत्रित रखें। ऐसा इसलिए क्योंकि बढ़ा हुआ शुगर लेवल फैटी लिवर और इससे संबंधित समस्याओं के जोखिम को बढ़ाता है। इनके अलावा स्वास्थ्यकर जीवनशैली पर अमल करें। इसके अंतर्गत आहार में मौसमी फलों, सब्जियों और साबुत अनाजों को वरीयता दें। अपनी उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार प्रतिदिन 20 से 30 मिनट व्यायाम करें, योगासन करें या टहलें। जंक फूड्स, अत्यधिक चिकनाईयुक्त और मसालेदार खाद्य पदार्थों से परहेज करना चाहिए। शराब और अन्य मादक पदार्थों से परहेज करें। इसके अलावा असुरक्षित यौन संबंधों से बचें। सोयाबीन, अलसी, ब्रोकली, अखरोट, सीड्स और अंकुरित अनाजों को आहार में वरीयता देना लिवर के लिए लाभप्रद है। इन्हें अपनी डेली डाइट में शामिल करें।

---

उपयोगी फल / राजकुमार 'दिनकर'

# स्वास्थ्य के लिए लाभकारी कोकम

कोकम का वानस्पतिक नाम गारनिया इंडिका है। मूल रूप से यह कोंकण इलाके का पेड़ है। इसके फल में कई औषधीय गुण पाए जाते हैं। इसका व्यापारिक इस्तेमाल भी होता है। कोकम के फल गहरे जामुनी से लेकर काले रंग के होते हैं। इसका फल चिपचिपा और टेढ़े-मेढ़े किनारे वाला होता है। अकसर इसे आधा काटकर धूप में सुखाकर भारतीय रसोई में मसाले की तरह इस्तेमाल होता है। इसे आमसल कोकम या कोकाम भी कहा जाता है। महाराष्ट्रियन, कोंकण और गुजराती व्यंजनों में इसका काफी इस्तेमाल होता है। खट्टे-मीठे स्वाद वाले कोकम को इमली का अच्छा विकल्प माना जाता है।

**होते हैं कई गुणः** कोकम खाने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि होती है। जो लोग अकसर बीमार रहते हैं, उन्हें इसका नियमित सेवन करना चाहिए। यह एंटीबैक्टीरियल और एंटीइंफ्लेमेट्री गुणों से भरपूर होता है। यह रक्त में शुगर को कंट्रोल रखता है और दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। कोकम में विटामिन-बी कॉम्प्लेक्स, पोटेशियम, मैग्नीज और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारी हार्ट बीट और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखते हैं। कोकम का सेवन न्यूरोनल विकास की क्रिया में मदद करता है, जिससे दिमागी शक्ति बढ़ती है, पॉजिटिविटी आती है।

**वजन घटाने में सहायकः** इसके फल को पानी में उबाल कर और छानकर पीने से वजन कम करने में काफी सहायता मिलती है। दस्त होने पर कोकम के फलों का चूर्ण ठंडे दूध में मिलाकर पीने से आराम मिलता है। इसे एसिडिटी के इलाज के लिए भी जाना जाता है।

**लू से बचाएः** गर्मी में कोकम का शर्बत पीने से लू से बचाव होता है। प्यास बुझाने वाला यह एक ऐसा शर्बत होता है, जिसकी तासीर ठंडी होती है।

**कैसे इस्तेमाल करें:** कोकम को इमली की तरह सूखे फल के रूप में इस्तेमाल में लाया जाता है। इसे इस्तेमाल करते समय इसके छिलके को काटा नहीं जाता, इसे साबूत ही सुखाया जाता है। सुखाने के दौरान इनमें धूल मिट्टी चली जाती है, इसलिए इसे संग्रहित करते समय अच्छी तरह साफ करके रखना चाहिए। *

---

आप हेल्थ कॉन्शस हैं तो योगाभ्यास रेग्युलर करते ही होंगे। लेकिन योगाभ्यास आप आराम से कर सकें और इसका सही लाभ आपको मिले, इसके लिए आपको सही योगा मैट का यूज करना चाहिए। कैसा हो आपका योगा मैट, जानिए।

# योगासन के लिए कैसा हो आपका योगा मैट

सजेशन
राजकुमार

आजकल योग का क्रेज पूरी दुनिया में छाया हुआ है। वर्किंग हो या नॉन वर्किंग किसी भी आयुवर्ग के लोग योग के स्वास्थ्य लाभों को देखते हुए इसे सहजता से अपना रहे हैं। अब आप योगासन सीखने की शुरुआत कर रहे हैं या सालों से इसे कर रहे हैं, तो योगा मैट का इस्तेमाल तो करते ही होंगे। योगा मैट इसलिए जरूरी है, क्योंकि योगासन करने के दौरान बैठने या लेटने के लिए हमें किसी ऐसी मैट की जरूरत होती है, जिससे हमारे जोड़ों पर दबाव न पड़ें, शरीर की जमीन पर पकड़ स्थिर रहें। योगा मैट के जरिए यह सब संभव है। अब सवाल है योगा मैट खरीदते समय किन बातों का ख्याल रखें?

**क्वालिटी हो सहीः** बाजार में सस्ते या कहें लो क्वालिटी के योगा मैट भी उपलब्ध हैं, लेकिन हमें उसकी गुणवत्ता देखकर खरीदना चाहिए, क्योंकि आम सी दिखने वाली योगा मैट पर लगातार पैरों और शरीर का दबाव पड़ने से यह खराब हो जाती है। अच्छी क्वालिटी की योगा मैट कंफर्टेबल और अच्छी पकड़ देती है। इसका स्पंज हमारे शरीर के दबाव को संतुलित करता है और इसकी मोटाई एक आरामदायक वर्कआउट सुनिश्चित करती है, क्योंकि इससे हमें सही कुशनिंग मिलती है। आजकल ये योगा मैट अलग-अलग तरह की लंबाई, चौड़ाई और मोटाई में उपलब्ध होते हैं। हमें अपनी बॉडी के आकार के अनुरूप ही योगा मैट का चयन करना चाहिए। इसकी मोटाई भी हमारे शरीर के वजन के लिए परफेक्ट होनी चाहिए।

**मैट की मोटाईः** योगा मैट की पकड़ भी एक अहम गुण है। योगासन करते समय जब हम उस पर खड़े होते हैं तो पैरों पर उसकी पकड़ मजबूत होनी चाहिए। योगासन करते समय वह इधर-उधर फिसलना नहीं चाहिए। यह उसकी मोटाई पर निर्भर करती है। इसकी मोटाई जितनी ज्यादा होगी, हथेलियों, घुटनों और पैरों को उतनी ही बेहतर कुशनिंग मिलेगी। योगासन के द्वारा शरीर के इन अंगों पर ज्यादा दबाव डलने के कारण इनमें चोट न लगे, इसलिए मोटी योगा मैट का चुनाव करना चाहिए। योगासन के लिए मैट की मोटाई 1/8 से 1/2 इंच, पाइलेट्स के लिए 1/2 इंच मोटी और नॉर्मल एक्सरसाइज के लिए 1/2 इंच से 2 इंच मोटी होनी चाहिए।

**मैटीरियल हो अच्छाः** कुछ मैट दिखने में आकर्षक होने के साथ-साथ सस्ते भी होते हैं। लेकिन सस्ते होने के कारण इनका मैटीरियल भी हल्का होता है। बिछाने के बाद ये बार-बार मुड़ते रहते हैं, जिससे आप एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं, इसलिए ऐसा मैट खरीदने से बचें। वर्कआउट करते समय हम अपना अधिकांश समय योगा मैट पर ही गुजारते हैं। इसलिए हल्के रंगों की बजाय गहरे रंग का चयन करें। इसकी बनावट अगर ज्यादा खुरदरी होती है तो वह असुविधाजनक लगती है। इसका स्पंज ऐसा होना चाहिए, जो आपकी बॉडी की पकड़ के अनुकूल हो। पीवीसी मैट स्पंजीनेस के लिए और कॉर्क जैसे कठोर योगा मैट का भी चयन कर सकते हैं।

**करते रहें सफाईः** योगा मैट पर योग करने के दौरान शरीर से लगातार पसीना निकलता है, जिसके कारण यह चिकने और गंदे हो जाते हैं। अगर इसे साफ न रखा जाए तो इससे बैक्टीरियल इंफेक्शन होने का खतरा रहता है। इसलिए योगा मैट की रेग्युलर सफाई रखें। *

---

न्यू ट्रीटमेंट
रजनी अरोड़ा

हाल में एक अमेरिकन कंपनी ने मोटापा नियंत्रित करने के लिए मुंजारो दवा लॉन्च की है। यह कैसे काम करती है, कितनी कारगर है और इसके क्या साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं, इस बारे में जानिए।

# ओबेसिटी दूर करने में हेल्पफुल मुंजारो

मोटापा या ओबेसिटी आज दुनिया भर में महामारी का रूप लेता जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार मोटापा, डायबिटीज, कैंसर, लिवर डिजीज, हाइपरटेंशन, हृदय रोग, डिप्रेशन, स्लीप एपनिया जैसी कई गंभीर बीमारियों की वजह होने के साथ असमय होने वाली मौत के कारकों में दूसरा बड़ा कारण भी है। भारत की बात करें तो करीब 7-8 करोड़ लोग गंभीर मोटापे से ग्रस्त हैं। 'लैंसेट' की 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक वयस्क आबादी में 9.8 प्रतिशत महिलाएं और 5.4 प्रतिशत पुरुष मोटापे का शिकार हैं। तकरीबन 8 करोड़ लोग गंभीर मोटापे का शिकार हैं, जिनमें 1.25 करोड़ बच्चे हैं, जिनका बीएमआई इंडेक्स रेट 30 या अधिक है। जबकि 18-25 बीएमआई वाला व्यक्ति हेल्दी की श्रेणी में आता है। हालांकि ओबेसिटी को दूर करने के लिए दुनिया भर में कई तरीके अपनाए जाते हैं। बेरियाट्रिक सर्जरी के अलावा रैस्मीटोरॉन, स्मैलेग्लूटाइड जैसी ड्रग्स पहले से ही प्रचलन में हैं। पिछले महीने एक अमेरिकी कंपनी ने मुंजारो या टिरजेप्टाइड इंजेक्शन लॉन्च किया। इसके ट्रायल में काफी सफलता मिली है।

**कैसे दी जाती है दवाः** ओबेसिटी से ग्रस्त व्यक्ति को मुंजारो का इंजेक्शन सप्ताह में एक बार दिया जाता है। व्यक्ति पेट, बांह या पैर पर यह इंजेक्शन लगवा सकता है।

**कैसे करता है असरः** हमारे ब्रेन के स्टेटाइटी सेंटर में दो तरह के हार्मोन निकलते हैं- जीएलपी वन (ग्लूकोगन लाइक पेप्टाइड वन) और जीआईपी (ग्लूकोज डिपेंडेंट इंसुलिनोट्रोपिक पॉलिपेप्टाइड)। ये हार्मोन हमें पेट भरने का अहसास दिलाते हैं, जिससे हम खाना बंद कर देते हैं। मुंजारो दवाई इन हार्मोन के रिसेप्टर पर काम करके अर्ली स्टेटाइटी की फीलिंग कराती है। यानी थोड़ा खाना खाने के बाद ही व्यक्ति को पेट भरे होने का अहसास होता है और उसका कैलोरी इनटेक कम हो जाता है। यह खाना डाइजेस्ट करने या पेट की मूवमेंट की रफ्तार को कम कर देता है। यानी डाइजेशन प्रक्रिया धीमी हो जाती है, जिससे खाना व्यक्ति के पेट में ज्यादा लंबे समय तक रहता है। भूख कम लगने से व्यक्ति कम खाता है, जिससे शरीर में शुगर लेवल और मोटापा कम बढ़ता है।

सामान्य तौर पर हमारे दिमाग से ऐसे हार्मोन निकलते हैं, जिनसे भूख भी लगती है और पेट भरा रहता है। यह दवाई भूख लगने वाले हंगरी हार्मोंस को कम करता है। साथ ही पेट भरे होने का अहसास दिलाने वाले हार्मोन बढ़ाता है। इससे व्यक्ति को भूख नहीं लगती और वह खाना कम खाता है। यह दवा, पेनक्रियाज ग्लैंड्स के अल्फा-बीटा सेल्स को रिलैक्स करती है, जिससे वो ज्यादा अच्छे तरीके से काम करते हैं।

**किन्हें हो सकता है नुकसानः** ओबेसिटी के शिकार व्यक्ति को डॉक्टर से परामर्श के उपरांत ही मुंजारो इंजेक्शन लेना चाहिए। टाइप-1 डायबिटीज थाइरॉयड कैंसर, मल्टीपल एंडोक्राइन नियोप्लाजिया सिंड्रोम जैसी बीमारियों से पीड़ित व्यक्ति को मुंजारो इंजेक्शन नहीं लेना चाहिए।

**हो सकते हैं साइड इफेक्ट्सः** हालांकि ओबेसिटी कम करने वाली दवा कारगर साबित हो रही है। लेकिन इनके शरीर पर कुछ प्रभाव भी पड़ते हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है कि फैट के साथ शरीर का मसल्स-मास कम हो जाता है, जिससे व्यक्ति कमजोरी, थकान महसूस करता है। इसके अलावा मुंजारो दवाई लेने पर शुरू में व्यक्ति को पेट दर्द, गैस बनना, उल्टियां आना, घबराहट जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जिसके लिए हल्का सुपाच्य खाना खाने, ओवरइटिंग न करने की सलाह दी जाती है। धीरे-धीरे शरीर को आदत होने पर साइड इफेक्ट कम हो जाते हैं। पेशेंट आहार में फाइबर, प्रोटीन और विटामिन रिच खाना ले सकता है।

**वेट ऐसे रहेगा मेंटेनः** वजन कम करने के लिए सिर्फ मुंजारो पर निर्भर रहना सही नहीं है। इसके साथ व्यक्ति को स्वस्थ जीवनशैली अपनानी भी जरूरी है। जिसमें संतुलित और पौष्टिक आहार लेने के साथ नियमित व्यायाम करना बहुत जरूरी है। ताकि दवाई बंद करने के बाद वजन दोबारा न बढ़े। *

**(साउथ एशियन फेडरेशन ऑफ एंडोक्राइन सोसाइटी, इंडिया के प्रेसिडेंट डॉ. संजय कालरा से बातचीत पर आधारित)**

# दिल्ली ने सुपर ओवर में राजस्थान रॉयल्स को हराया

## रॉयल्स को हराकर पॉइंट्स टेबल के टॉप पर पहुंचे, स्टार्क ने पलटा मैच

भाषा ▸▸| नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में बुधवार को यहां राजस्थान रॉयल्स को सुपर ओवर में हराकर जीत की राह पर वापसी की। लगातार चार जीत के साथ शुरुआत करने वाले दिल्ली कैपिटल्स ने अपने घरेलू मैदान अरूण जेटली स्टेडियम में पिछला मैच गंवाया था लेकिन बुधवार को जीत हासिल की। टीम अब छह मैच में 10 अंक के साथ दोबारा शीर्ष पर पहुंच गई है। रॉयल्स की टीम चार अंक के साथ आठवें स्थान पर है। सुपर ओवर में रॉयल्स के लिए शिमरोन हेटमायर (06) और रियान पराग (04) बल्लेबाजी के लिए उतरे जबकि गेंद मिचेल स्टार्क ने थामी। हेटमायर और पराग ने चौके मारे लेकिन पराग फ्री हिट पर रन आउट हो गए। यशस्वी जायसवाल (00) भी इसके बाद रन आउट हुए जिससे दिल्ली को 12 रन का लक्ष्य मिला। दिल्ली की ओर से लोकेश राहुल (नाबाद 07) और ट्रिस्टन स्टब्स (नाबाद 06) बल्लेबाजी के लिए उतरे जबकि रॉयल्स ने गेंद संदीप शर्मा को थमाई। राहुल ने पहली गेंद पर दो रन लिए और फिर अगली गेंद पर चौका मारा। स्टब्स ने चौथी गेंद पर छक्का जड़कर टीम को जीत दिलाई। इससे पहले दिल्ली के 189 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए रॉयल्स की टीम नितीश राणा (51 रन, 28 गेंद, छह चौके, दो छक्के) और यशस्वी जायसवाल (51 रन, 37 गेंद, चार छक्के, तीन चौके) के अर्धशतक के बावजूद चार विकेट पर 188 रन ही बना सकी। रॉयल्स की टीम एक समय 14वें ओवर में एक विकेट पर 112 रन बनाकर काफी मजबूत स्थिति में थी लेकिन दिल्ली की टीम स्टार्क (36 रन पर एक विकेट) की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से वापसी करने में सफल रही।



दिल्ली ने पांच विकेट पर 188 रन बनाए थे। मेजबान टीम की ओर सलामी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल ने सर्वाधिक 49 रन बनाए। उन्होंने लोकेश राहुल (38) के साथ तीसरे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी की। कप्तान अक्षर पटेल ने अंत में 14 गेंद में चार चौकों और दो छक्कों से 34 जबकि ट्रिस्टन स्टब्स ने 18 गेंद में दो चौकों और इतने ही छक्कों से नाबाद 34 रन की पारी खेलकर टीम का स्कोर 190 रन के करीब पहुंचाया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे रॉयल्स को जायसवाल और कप्तान संजू सैमसन (31) ने पावर प्ले में बिना विकेट खोए 63 रन जोड़कर शानदार शुरुआत दिलाई। जायसवाल ने मुकेश कुमार पर छक्का जड़ने के बाद मिचेल स्टार्क की लगातार गेंदों पर दो चौके और एक छक्का भी मारा।

खास खबर

## सुरुचि ने जीता लगातार दूसरा स्वर्ण पदक, मनु की चांदी



एजेंसी ▸▸| लीमा

युवा निशानेबाज सुरुचि इंदर सिंह ने यहां 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए आईएसएसएफ विश्व कप में लगातार दूसरा स्वर्ण पदक जीता। पेरिस ओलंपिक की पदक विजेता मनु भाकर ने रजत पदक जीतकर प्रतियोगिता में भारत का दबदबा सुनिश्चित किया। ब्यूनस आयर्स में हाल में साल के पहले विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली हरियाणा के झज्जर की निवासी 18 वर्षीय सुरुचि ने 24 शॉट के फाइनल में 243.6 का स्कोर बनाकर मनु को 1.3 अंक से पीछे छोड़ा। चीन की याओ कियानक्सुन ने कांस्य पदक जीता। सुरुचि ने ब्यूनस आयर्स में सौरभ के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम कांस्य भी जीता था।

### सही दिशा में आगे बढ़ रहा भारत

पेरिस ओलंपिक में महिला एयर पिस्टल और मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने वाली मनु ने कहा, 'मैं यह देखकर खुश हूं कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक भारतीय निशानेबाज आगे आ रहे हैं और बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे मुझे लगता है कि भारत सही दिशा में आगे बढ़ रहा है। हम सभी सुरुचि के नाम से परिचित हैं। उसने ब्यूनस आयर्स के साथ-साथ यहां भी असाधारण प्रदर्शन किया। इसलिए मैं उसके लिए वास्तव में खुश हूं और मुझे उम्मीद है कि यह लंबे समय इस तरह के प्रदर्शन को जारी रखेगी। मुझे उम्मीद है कि युवा खिलाड़ियों के साथ मैं भी गति बनाए रखूंगी।'

### क्वालीफिकेशन राउंड

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में 60 शॉट के क्वालीफिकेशन राउंड में सुरुचि ने 582 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया था जबकि मनु ने 578 अंक बनाकर चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई थी। भारत की एक अन्य निशानेबाज सैन्यम 571 अंक के साथ 11वें स्थान पर रही।

### सौरभ ने जीता कांस्य

सुरुचि और मनु के पोडियम पर पहुंचने का मतलब था कि भारत ने इस दिन प्रत्येक रंग का एक पदक जीता, जिसमें पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल के निशानेबाज सौरभ चौधरी का कांस्य पदक भी शामिल है।

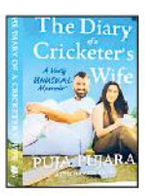

### शीर्ष पर भारत

पेरू की राजधानी में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में शानदार प्रदर्शन के कारण भारत तीन पदकों के साथ शीर्ष पर पहुंच गया। उसके बाद चीन का नंबर आता है जिसने पुरुषों की एयर पिस्टल में स्वर्ण जीता।

### आईपीएल पाइंट टेबल

| टीम | मैच | जीते | हारे | अंक |
|---|---|---|---|---|
| दिल्ली | 6 | 5 | 1 | 10 |
| गुजरात | 6 | 4 | 2 | 8 |
| बेंगलुरु | 6 | 4 | 2 | 8 |
| पंजाब | 6 | 4 | 2 | 8 |
| लखनऊ | 7 | 4 | 3 | 8 |
| कोलकाता | 7 | 3 | 4 | 6 |
| मुंबई | 6 | 2 | 4 | 4 |
| राजस्थान | 7 | 2 | 5 | 4 |
| हैदराबाद | 6 | 2 | 4 | 4 |
| चेन्नई | 7 | 2 | 5 | 4 |

ऑरेंज कैप | पर्पल कैप



निकोलस पूरन — 357 रन — लखनऊ

नूर अहमद — 12 विकेट — चेन्नई

## चैंपियंस लीग : बार्सिलोना को 5-3 के कुल स्कोर से मिला फायदा

# गुइरासी की हैट्रिक बेकार, डॉर्टमुंड जीतकर भी बाहर, सेमीफाइनल में पहुंची बार्सिलोना

एजेंसी ▸▸| डॉर्टमुंड



सेरहौ गुइरासी और बोरुसिया डॉर्टमुंड ने 2025 में वह किया जो कोई और नहीं कर सका। उन्होंने बार्सिलोना को हराया लेकिन उनका यह प्रयास भी चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पर्याप्त नहीं था। गुइरासी ने हैट्रिक बनाई जिससे डॉर्टमुंड ने क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में बार्सिलोना पर 3-1 से जीत हासिल की। यह स्पेनिश क्लब की पिछले साल दिसंबर के बाद किसी भी तरह की प्रतियोगिता में यह पहली हार थी। इसके बावजूद बार्सिलोना 5-3 के कुल स्कोर से जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बनाने में सफल रहा।

बार्सिलोना ने क्वार्टर फ़ाइनल के पहले चरण में 4-0 से जीत हासिल की थी जो आखिर में महत्वपूर्ण साबित हुई। ऐसी परिस्थितियों में डॉर्टमुंड के पास मैच में खोने के लिए कुछ नहीं था और उसने शुरू से ही बार्सिलोना पर हमला किया, जिससे मेहमान टीम का संतुलन बिगड़ गया। गुइरासी ने 11वें, 49वें और 76वें मिनट में गोल किए जबकि बार्सिलोना के फॉरवर्ड रफिन्हा और रॉबर्ट लेवांडोव्स्की कुछ खास नहीं कर पाए। बार्सिलोना ने दूसरे चरण में अपना खाता 56वें मिनट में रेमी बेंसबैनी के आत्मघाती गोल से खोला। सेमीफाइनल में बार्सिलोना का सामना इंटर मिलान या बायर्न म्यूनिख से होगा।

## एस्टन विला की किस्मत खराब, अंतिम-4 में पीएसजी

**बर्मिंघम।** एस्टन विला की क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में शानदार वापसी के बावजूद पेरिस सेंट जर्मेन इस इंग्लिश क्लब को 5-4 के कुल स्कोर से हराकर चैंपियंस लीग फुटबाल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल पहुंचने में सफल रहा। विला ने क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में 3-2 से जीत हासिल की लेकिन पीएसजी ने पहले चरण का मैच 3-1 से जीता था और उसकी यह बढ़त आखिर में निर्णायक साबित हुई। पीएसजी ने पांच सत्र में तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। विला का हौसला बढ़ाने के लिए प्रिंस विलियम भी स्टेडियम में मौजूद थे लेकिन पीएसजी ने विला पार्क में 27 मिनट के अंदर फुल बैक अशरफ हकीमी और नूनो मेंडेस के गोल की बदौलत चार गोल की बढ़त बना ली। विला ने हाफटाइम से पहले यूरी टाईलेमैन्स के गोल से वापसी की जबकि दूसरे हाफ के शुरू में जॉन मैकगिन और एज्री कोन्सा ने दो मिनट के अंतराल में गोल करके उसकी उम्मीद जगा दी। केवल पीएसजी के गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा ने इसके बाद शानदार बचाव करके विला को चौथा गोल करने से रोक दिया।

## नए फिजियो-ट्रेनर की तलाश में बीसीसीआई

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला क्रिकेट टीम को जल्दी ही एक नया फिजियोथेरेपिस्ट और स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच मिलने वाले हैं जो अगले दो साल तक बेंगलुरु के उत्कृष्टता केंद्र में नियुक्त होंगे। बीसीसीआई ने दोनों पदों के लिए आवेदन मंगवाए हैं। नितिन पटेल के जाने के बाद खेल विज्ञान और मेडिसिन विभाग को भी नया प्रमुख मिलने वाला है। फिजियो और ट्रेनर उत्कृष्टता केंद्र में काम करेंगे और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में टीम के साथ दौरा करेंगे। फिजियो का पद आकांक्षा सत्यवंशी के जाने के बाद और स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच का पद आनंद दाते के जाने से खाली हुआ है। दोनों पदों के लिए पात्रता उन्नत जीवन सहायता में, मूलभूत जीवन सहायता में सर्टिफिकेशन कोर्स और ट्रॉमा मैनेजमेंट में डिग्री शामिल है। सर्टिफिकेशन कोर्स पिछले दो साल में ही पूरा हुआ होना चाहिए।

## खबर संक्षेप

### हैरियट ने अपनी प्रतिद्वंद्वी को डिओडोरेंट लगाने को कहा

**पेरिस।** ब्रिटिश टेनिस खिलाड़ी हैरियट डार्ट ने चेयर अंपायर से अपनी प्रतिद्वंद्वी को डिओडोरेंट लगाने के लिए कहने के बाद माफी मांगी है। फ्रेंच ओपन की तैयारी की सिलसिले में महत्वपूर्ण क्लेकोर्ट टूर्नामेंट रूएन ओपन के पहले दौर में डार्ट फ्रांसीसी खिलाड़ी लोइस बोइसन से 6-0, 6-3 से हार गई। इस मैच के दौरान छोर बदलते समय डार्ट ने चेयर अंपायर से कहा, 'क्या आप उसे (बोइसन) को डिओडोरेंट लगाने के लिए कह सकते हैं, क्योंकि उससे बहुत बदबू आ रही है।' उनकी यह बात माइक्रोफोन ने पकड़ ली और उसकी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। इसके बाद डार्ट ने इंस्टाग्राम पर माफी मांगी।



### नितिन ने एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स में जीता रजत

**नई दिल्ली।** भारत के नितिन गुप्ता ने बुधवार को सऊदी अरब के दम्मम में छठी एशियाई अंडर-18 एथलेटिक्स चैंपियनशिप की 5000 मीटर पैदल चाल में रजत पदक जीता। गुप्ता ने 20 मिनट 21.51 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन के झू निंगहाओ ने 20:21.50 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। चीनी ताइपे के शेंग किन लो ने 21:37.88 सेकंड के साथ कांस्य पदक हासिल किया। सत्रह वर्षीय गुप्ता ने पिछले महीने पटना में राष्ट्रीय युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान 19:24.48 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया था।



### 'एक क्रिकेटर की पत्नी की डायरी' की लांच 29 को

**नई दिल्ली।** अपनी तरह के अनूठे संस्मरण में भारत के अनुभवी क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा की पत्नी पूजा पुजारा ने क्रिकेटर की पत्नी के रूप में अपने जीवन के अनुभव कलमबद्ध किए हैं। इसमें मैदान के भीतर और बाहर के उतार चढ़ावों और क्रिकेट के दीवाने देश में अपार अपेक्षाओं के बारे में बेबाक ढंग से लिखा है। हार्परकोलिंस इंडिया द्वारा प्रकाशित यह किताब ' द डायरी ऑफ अ क्रिकेटर्स वाइफ : अ वेरी अनयूजुअल मेमोयर' को पूजा और नमिता काला ने लिखा है जिसका विमोचन 29 अप्रैल को होगा।




टेनिस

## डेडुरा-पालोमेरो एटीपी टूर पर जीत दर्ज करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी

एजेंसी ▸▸| म्युनिख

जर्मनी के 17 साल के डिएगो डेडुरा-पालोमेरो 2008 में जन्मे एटीपी टूर पर मैच जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। डेडुरा-पालोमेरो ने मंगलवार को यहां बीएमडब्लू ओपन के शुरुआती दौर में डेनिस शापोवालोव को पछाड़ने में सफल रहे। शापोवालोव जब मुकाबले में 7-6 (2), 3-0 से पीछे चल रहे थे तब उन्होंने इससे हटने का फैसला किया जिससे डेडुरा-पालोमेरो को जीत मिल गई।

एटीपी ने कहा कि डेडुरा-पालोमेरो से कम उम्र के केवल चार खिलाड़ियों ने एटीपी टूर पर जीत दर्ज की है। इसमें 1984 में 16 वर्षीय बोरिस बेकर भी शामिल हैं। रोमानिया के दीनू पेस्कारिउ ने 1991 में 17 साल की उम्र में जॉन मैकेनरो को हराकर जीत दर्ज की थी। 1991 के बाद यह पहला मामला है जब 17 साल के खिलाड़ी ने एटीपी टूर पर जीत दर्ज की। डेडुरा-पालोमेरो क्वालीफाइंग मुकाबले में अलेक्जेंडर बुब्लिक से हार कर मुख्य दौर से जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो गए थे लेकिन गेल मोनफिल्स के हटने के बाद इसमें में जगह मिल गई। आठवीं वरीयता प्राप्त शापोवालोव के खिलाफ जीत के बाद डेडुरा-पालोमेरो दूसरे दौर में जिजो बर्ग्स के खिलाफ खेलेंगे।

### अलियासिमे तीन सेट में हारकर बाहर

अन्य मैचों में मारियानो नवोन ने तीसरे वरीय फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को 2-6, 6-4, 7-6 (3) से हराया, चौथे वरीय उगो हम्बर्ट ने निकोलस जैरी को 4-6, 6-3, 6-2 से शिकस्त दी और पांचवें वरीय फ्रांसिस्को सेरुंडोलो ने जान-लेनार्ड स्ट्रफ के खिलाफ 6-0, 6-2 से जीत दर्ज की। जर्मनी के वाइल्ड कार्ड यानिक हनफमैन ने छठे वरीय जैकब मेनसिक को 7-6 (4), 4-6, 6-3 से हराया।

### राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए मिलेगी चुनौती

**लंदन।** राष्ट्रमंडल खेल ने बुधवार को घोषणा की कि 2030 में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए भारत को कनाडा, नाइजीरिया और दो अन्य देशों से चुनौती का सामना करना पड़ेगा। राष्ट्रमंडल खेल 2030 में सौ साल पूरे करेगा। सीडब्लूएस की ओर से यह पुष्टि 'एजेंसी' द्वारा खेल मंत्रालय के एक शीर्ष सूत्र के हवाले से दी गई रिपोर्ट के एक महीने से भी कम समय बाद आई है, जिसमें बताया गया था कि 2036 में ओलंपिक मेजबानी का लक्ष्य रखने वाला भारत 2030 में गुजरात में राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के लिए अपनी बोली प्रस्तुत की है। सीडब्लूएस ने कहा कि उसे खेलों के 2030 सत्र की मेजबानी के लिए कनाडा और नाइजीरिया के अलावा दो और देशों से 'रुचि की अभिव्यक्ति' प्राप्त हुई है।

# ओलंपिक 2028 में क्रिकेट की मेजबानी करेगा पोमोना शहर

एजेंसी ▸▸| दुबई

दक्षिण कैलिफोर्निया का पोमोना शहर 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों के दौरान क्रिकेट प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा। अंतराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार देर रात को यह घोषणा की।

क्रिकेट प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग में छह-छह टीमें भाग लेंगी। इसका आयोजन पोमोना के फेयरग्राउंड में होगा। यह शहर ओलंपिक खेलों के मुख्य शहर लॉस एंजिल्स से 48 किलोमीटर दूर है। यह खेल 128 साल बाद ओलंपिक का हिस्सा बनने जा रहा है।

आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा, 'हम लॉस एंजिल्स 2028 में क्रिकेट के आयोजन स्थल की घोषणा का स्वागत करते हैं क्योंकि यह ओलंपिक में हमारे खेल की वापसी की तैयारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। क्रिकेट एक बेहद लोकप्रिय खेल है, लेकिन यह खेल का विस्तार करने का एक शानदार अवसर होगा।

तेज-तर्रार, रोमांचक टी20 प्रारूप में ओलंपिक में क्रिकेट नए दर्शकों को आकर्षित करेगा।' क्रिकेट इससे पहले 1900 के पेरिस ओलंपिक खेलों का हिस्सा था। इसे अक्टूबर 2023 में मुंबई में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के 141वें सत्र के बाद लॉस एंजिल्स ओलंपिक कार्यक्रम में शामिल किया गया।

### आईपीएल में हो रही रोबोटिक डॉग की चर्चा

**नई दिल्ली।** भारत में इन दिनों दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग इंडियन प्रीमियर लीग का 18वां सीजन खेला जा रहा है। लीग में एक से बढ़कर एक रोमांचक मैच देखने को मिल रहे हैं। दुनिया की सबसे महंगी लीग आईपीएल में टेक्नोलॉजी का भरपूर इस्तेमाल किया जाता है। मौजूदा सीजन में भी इसकी बानगी देखने को मिल रही है। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में अब रोबोट कैमरा डॉग के रूप में एक नया अनोखा बदलाव हुआ है। तकनीक के चमत्कार और मनोरंजन के प्रतीक के रूप में चार पैरों वाला यह रोबोट अब सभी का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। आईपीएल द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो के जरिए इस बात का खुलासा हुआ। इस वीडियो में न्यूजीलैंड के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर डैनी मॉरिसन ने रोबोट डॉग को पेश किया।

## रोहित शर्मा का फॉर्म मुंबई के लिए बना चिंता का विषय

# मुंबई और हैदराबाद के मैच में बुमराह की फॉर्म पर निगाह

एजेंसी ▸▸| मुंबई

मुंबई इंडियंस की टीम गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने के लिए अपने स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेगी।

बुमराह को अब सनराइजर्स के ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन जैसे विस्फोटक बल्लेबाजों के सामने कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। पांच बार के चैंपियन मुंबई के लिए अपने पूर्व कप्तान रोहित शर्मा की फॉर्म भी चिंता का विषय बना हुआ है। सनराइजर्स की टीम अभी नौवें स्थान पर है। सनराइजर्स की टीम अच्छा प्रदर्शन करने के लिए अपनी बल्लेबाजी पर काफी निर्भर है लेकिन उसके प्रमुख बल्लेबाजों के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। इस मैच में सनराइजर्स के बल्लेबाज किशन पर भी निगाह होगी जो अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी टीम के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होंगे। वानखेड़े स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल रही है लेकिन गेंदबाज भी इससे मिलने वाली उछाल का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे।



### बल्ले के आकार की जांच से कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा : विटोरी

**मुंबई।** सनराइजर्स हैदराबाद के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने बुधवार को कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग में अंपायरों द्वारा बल्ले के आकार की जांच करने से कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। विटोरी ने कहा कि काश उनके खेलने के दिनों में भी ऐसे मापदंड लागू होते। अंपायर बल्ले की जांच एक गेज से करते रहे हैं, जिससे बल्ले को गुजरना पड़ता है। इसका मकसद बड़े आकार के बल्ले के इस्तेमाल को खत्म करना है। इस सत्र में मैदानी अंपायरों के पास मैच के दौरान बल्ले की जांच करने की छूट है। इसका ताजा उदाहरण कोलकाता नाइट राइडर्स के एनरिक नॉर्किया है। मंगलवार को उनका बल्ला परीक्षण में विफल रहा जिसके बाद उन्हें पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में इसे बदलना पड़ा। विटोरी ने कहा, 'काश जब मैं खेल रहा था तब भी उन्होंने बल्ले की जांच की होती। नहीं, मुझे नहीं लगता कि इससे कोई फर्क पड़ेगा।'

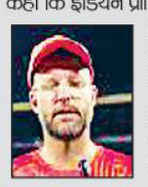

# भारतीय यात्रियों से भरे विमान की सफल इमरजेंसी लैंडिंग, पायलट की सूझबूझ से बचा संकट

काठमांडू। 12 भारतीयों के साथ उड़ान भर रहे एक विमान में अचानक खराबी आ जाने के बाद उसकी इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी है। सभी को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक हवा में उड़ान भर रहे एक विमान के 'हाइड्रोलिक' प्रणाली में खराबी आने की जानकारी मिलते ही हड़कंप मच गया। इसके बाद तत्काल आपात स्थिति में विमान को काठमांडू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतारने का फैसला लिया गया। पायलट ने बहुत ही सूझबूझ के साथ इमरजेंसी लैंडिंग कराई। इसमें 12 भारतीय यात्री भी सवार थे। एयरलाइन के एक अधिकारी ने बताया कि माउंट एवरेस्ट क्षेत्र के प्रवेशद्वार लुक्ला से रामेछाप जा रहे निजी कंपनी 'सीता एयर' के विमान में तकनीकी

खराबी का पता चलने के बाद उसे त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर मोड़ दिया गया। अधिकारी ने बताया कि डोर्नियर विमान में 12 भारतीय, दो नेपाली और चालक दल के तीन सदस्य सवार थे।

**सभी यात्री सुरक्षित**

सही समय पर सटीक फैसला लिए जाने के चलते विमान को काठमांडू एयरपोर्ट पर सफलतापूर्वक उतारा गया। विमान के हवाई अड्डे पर उतरने के बाद उसे ट्रैक्टर की मदद से पार्किंग स्थल तक ले जाया गया। अधिकारी ने बताया इस विमान में "हाइड्रोलिक प्रेशर" में कमी का संकेत मिला। विमान में सवार सभी यात्री और चालक दल सुरक्षित हैं।

# रणथम्भौर में बाघिन का हमला, त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग पर 7 साल के बच्चे की दर्दनाक मौत

सवाईमाधोपुर। सवाई माधोपुर के प्रसिद्ध त्रिनेत्र गणेश मंदिर से एक बेहद दर्दनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है। दोपहर करीब तीन बजे दर्शन करने आए श्रद्धालुओं के बीच उस समय हड़कंप मच गया, जब एक बाघ जंगल से निकलकर आया और छह साल के मासूम बच्चे को उठाकर ले गया। इस हमले में बच्चे की मौत हो गई है।जानकारी लगते ही वनविभाग की टीम और अफसर जंगल की ओर दौड़े। साथ ही एहतियातन गणेश मंदिर मार्ग को भी श्रद्धालुओं के लिए बंद किया। इस दौरान झाड़ियों के बीच बाघिन काफी देर तक बच्चे के पैर पर पंजा रखकर बैठी रही।

करीब दो घंटे बाद वनविभाग ने बाघिन को वहां से हटाकर बच्चे के शव को बरामद किया। मृतक बच्चे की पहचान कार्तिक सुमन (7) पुत्र द्वारका माली निवासी गोहटा थाना देई खेड़ा (बूंदी) के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शी रामसिंह ने बताया कि दोपहर 3 बजे श्रद्धालुओं की संख्या कम थी। गिने-चुने लोग ही मंदिर की तरफ से दर्शन कर पैदल लौट रहे थे। अचानक बाघिन झाड़ियों

से निकलकर आई और बच्चे पर हमला कर दिया। बाघिन ने बच्चे की गर्दन को मुंह में दबाया और झाड़ियों से होकर पहाड़ियों की तरफ ओझल हो गई।

इस घटना से श्रद्धालुओं में हड़कंप मंच गया और वे भयभीत हो गए। वहीं प्रत्यक्ष घटना को देखकर दादी वहां जोर-जोर से रोने लगी और बेसुध हो गई। लोगों ने तुरंत ही इसकी सूचना वन विभाग को दी। जानकारी लगते ही डीएफओ और वनकर्मियों की टीम जंगल की ओर दौड़ी और एहतियातन श्रद्धालुओं को बाहर निकालकर त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग को बंद करवाया। इस दौरान वनविभाग ने कैमरों की जांच करवाई तो बाघिन सुल्ताना झाड़ियों के बीच बच्चे के ऊपर पंजा रखकर बैठी नजर आई। वन विभाग के अधिकारी बाघिन से बच्चे को छुड़वाने के लिए मौके पर पहुंचे और काफी प्रयास किए। इसके बाद वन विभाग ने पटाखों का उपयोग कर बाघिन को वहां से हटाया।

हालांकि तब तक बच्चे की मौत हो चुकी थी और उसका पेट फटा हुआ था। वनविभाग ने देर शाम 4 बजकर 50 मिनट पर शव को बरामद किया। बाघिन के बच्चे को उठाने के बाद बच्चे के साथ आई दादी का रोते-रोते बेसुध हो गई। जानकारी के अनुसार वह अपने पोता-पोती के साथ त्रिनेत्र गणेश के दर शादी का निमंत्रण देने आई थी। उसके साथ उसकी एक पोती भी मौके पर मौजूद थी। ये दोनों बच्चे उसके बड़े बेटे के बताए जा रहे हैं। हालांकि बेसुध होने के कारण वह वनविभाग को अपना नाम पता और गांव तक का नाम नहीं बता पाई है।

# पुणे में शुरू हुआ भारत-उज्बेकिस्तान सैन्य अभ्यास 'डस्टलिक' का छठा संस्करण

पुणे। भारत-उज्बेकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास डस्टलिक का छठा संस्करण बुधवार को विदेशी प्रशिक्षण नोड, पुणे के औंध में शुरू हुआ। यह अभ्यास 16 से 28 अप्रैल 2025 तक आयोजित किया जा रहा है। 60 सैन्यकर्मियों की भारतीय टुकड़ी का प्रतिनिधित्व जाट रेजिमेंट और भारतीय वायुसेना की एक बटालियन कर रही है।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार, संयुक्त अभ्यास डस्टलिक एक वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है। यह भारत और उज्बेकिस्तान में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है। पिछला संस्करण अप्रैल 2024 में उज्बेकिस्तान के तरमेज जिले में हुआ था। इस वर्ष अभ्यास का विषय अर्ध-शहरी परिदृश्य में ज्वाइंट मल्टी डोमेन उप-पारंपरिक संचालन की थीम पर आधारित है। यह एक निर्धारित क्षेत्र पर कब्जा करने वाले आतंकवादियों

को जवाब देने पर केंद्रित रहेगा। अभ्यास में ड्रोन की तैनाती, मानव रहित विमान से निपटने के उपाय और वायु सेना की ओर से अशांत क्षेत्रों में सैन्य बलों को बनाए रखने के लिए रसद सहायता पहुंचाना भी शामिल होगा।

अभ्यास के दौरान सेना और वायु सेना के विशेष बल एक हेलीपैड को सुरक्षित रखेंगे, जिसका उपयोग आगे की कार्रवाइयों के लिए आधार के रूप में किया जाएगा। संयुक्त अभ्यास डस्टलिक का छठा संस्करण दोनों पक्षों को संयुक्त उप-पारंपरिक संचालन करने की रणनीति, तकनीक और प्रक्रियाओं में सर्वोत्तम तौर-तरीकों को साझा करने में सक्षम बनाएगा। यह दोनों सेनाओं के बीच अंतर-संचालन सौजन्यता और सौहार्द विकसित करने में सहायता करेगा। यह अभ्यास संयुक्त अभ्यास रक्षा सहयोग को भी बढ़ावा देगा और इससे दोनों मित्र देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और बल मिलेगा।

# PM मोदी से मुलाकात करेंगे जेडी वेंस, भारत-अमेरिका संबंधों पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस अगले सप्ताह भारत की यात्रा पर आएंगे। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। बकौल रिपोर्ट, जेडी वेंस और उनकी पत्नी 18 अप्रैल से 24 अप्रैल तक इटली और भारत की यात्रा पर रहेंगे।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा वेंस अगले सप्ताह भारत की यात्रा पर आएंगे। उपराष्ट्रपति कार्यालय ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। बकौल रिपोर्ट, जेडी वेंस और उनकी पत्नी 18 अप्रैल से 24 अप्रैल तक इटली और भारत की यात्रा पर रहेंगे।

जेडी वेंस की भारत यात्रा ऐसे मौके पर हो रही है जब डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लगाए गए जवाबी टैरिफ पर 90 दिनों का ब्रेक लगा है। ट्रंप ने हाल ही में जवाबी टैरिफ का ऐलान किया था। हालांकि, बाद में जवाबी टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोक दिया, लेकिन चीन को किसी प्रकार की कोई रियायत नहीं दी। इस नीति से बड़े पैमाने पर व्यापार में व्यवधान और

वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंका पैदा हुई।वेंस दंपति के अपने तीन बच्चों (इवान, विवेक और मीराबेल) को भारत लाने की उम्मीद है तथा परिवार दिल्ली के अलावा जयपुर और आगरा भी जाएगा। अमेरिकी दूतावास द्वारा दिल्ली में जारी एक बयान में उनके कार्यालय ने कहा, "उपराष्ट्रपति प्रत्येक देश के नेताओं के साथ साझा आर्थिक और भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं पर चर्चा करेंगे।"

**PM मोदी से मिलेंगे जेडी वेंस**

इसमें कहा गया है कि भारत में उपराष्ट्रपति दिल्ली, जयपुर और आगरा का दौरा करेंगे। उपराष्ट्रपति प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ बैठक करेंगे। अमेरिकी बयान में कहा गया है कि वेंस और उनका परिवार भारत में सांस्कृतिक स्थलों पर कार्यक्रमों में भी भाग लेगा। सूत्रों ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइकल वाल्ट्ज ने भी अगले सप्ताह की शुरुआत में भारत आने की योजना बनाई थी, लेकिन उनकी यात्रा स्थगित कर दी गई है।

# RBSE ने शुरू की रिचेकिंग व्यवस्था

## -गणित से होगी शुरुआत, छात्रों को मिलेगा दोहरा लाभ

जयपुर। प्रदेश के शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर के निर्देश पर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (RBSE) ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस साल से बोर्ड की परीक्षा में गणित सब्जेक्ट में रिटोटलिंग के साथ-साथ रिचेकिंग की व्यवस्था का प्रावधान शुरू कर दिया गया है।

**रिचेकिंग व्यवस्था**

रिचेकिंग व्यवस्था के तहत, छात्रों को अपने परीक्षा परिणामों की जांच कराने का अवसर मिलेगा। यदि किसी छात्र को लगता है कि उसके नंबर सही से नहीं जोड़े गए हैं या उसके आंसर शीट का टोटल सही से नहीं किया गया है, तो वह रिचेकिंग के लिए आवेदन कर सकता है।

इस प्रक्रिया में, स्टूडेंट्स की आंसर शीट्स की फिर से जांच की जाएगी और यदि कोई गलती पाई जाती है, तो उसे सुधारा जाएगा। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर ने गणित विषय में रिटोटलिंग के साथ रिचेकिंग की व्यवस्था को पायलट

प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया है।

यदि यह व्यवस्था सफल रहती है, तो आगामी वर्षों में सभी विषयों में रिटोटलिंग के साथ रिचेकिंग का प्रावधान भी प्रारंभ कर दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का उद्देश्य छात्रों को न्याय दिलाना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने कहा है कि छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए बोर्ड ने यह निर्णय लिया है। इस व्यवस्था से छात्रों को अपने परीक्षा परिणामों के प्रति अधिक आत्मविश्वास होगा और वे अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने में सक्षम होंगे।रिचेकिंग व्यवस्था से छात्रों को कई फायदे होंगे।

सबसे पहले, उन्हें अपने परीक्षा परिणामों की जांच कराने का अवसर मिलेगा। यदि किसी छात्र का परिणाम गलत है, तो उसे सुधारा जाएगा। इससे छात्रों को अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने में मदद मिलेगी। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की भी यह जिम्मेदारी है कि वह छात्रों को न्याय दिलाए और उनकी समस्याओं का समाधान करे। बोर्ड ने रिचेकिंग व्यवस्था शुरू करके एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे छात्रों को अपने परीक्षा परिणामों के प्रति अधिक आत्मविश्वास होगा और वे अपने भविष्य के बारे में निर्णय लेने में सक्षम होंगे।

# जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक

जयपुर(रॉयल पत्रिका) । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गर्मी के मौसम में पेयजल प्रबंधन एवं समर कंटीन्जेंसी प्लान को लेकर विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्ययोजना के तहत आमजन को निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जिला कलक्टर्स की अनुशंषा पर जिलों में पेयजल से संबंधित आकस्मिक कार्यों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में पीएचईडी अधिकारियों को फील्ड में रहकर जलापूर्ति की व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए।

शर्मा बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए नवीन नलकूप एवं हैण्डपंप लगाए जाएं। उन्होंने पेयजल आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यकता के अनुसार टैंकरों के जरिए पेयजल परिवहन की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने पेयजल से संबंधित पाइपलाइनों, पुराने नलकूप एवं हैंडपंप के मरम्मत कार्यों को भी समय से पूरा करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया।

**कंट्रोल रूम के नंबरों का करें व्यापक प्रचार-प्रसार —**

मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल समस्या के निस्तारण के लिए संचालित राज्य एवं जिला स्तरीय कंट्रोल रूम के नंबरों का व्यापक

प्रचार-प्रसार किया जाए। साथ ही, कंट्रोल रूम में दर्ज होने वाली शिकायतों का प्रभावी रूप से मॉनिटरिंग कर त्वरित निस्तारण भी किया जाए। उन्होंने बिजली कनेक्शन लेकर नलकूपों एवं ट्यूबवैलों को शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने नलकूपों हेतु भंडार में स्पेयर पंप-मोटर्स की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सुझाव देते हुए कहा कि हर ग्राम में पेयजल एवं इससे संबंधित योजनाओं के लिए ग्राम स्तर पर दो जल मित्र बनाए जाएं, ताकि आवश्यकता पड़ने पर इनका सहयोग लिया जा सके।

**पेयजल से संबंधित बजटीय घोषणाओं को समय से करें पूरा —**

मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारी को निर्देशित किया कि पेयजल से संबंधित बजट घोषणा वर्ष 2024-25 के शेष कार्यों को शीघ्र पूरा करें। साथ ही, बजट घोषणा वर्ष 2025-26 के पेयजल से संबंधित कार्यों की वित्तीय स्वीकृति जारी करवाकर कार्य प्रारंभ किए जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल से संबंधित वृहद् एवं लघु परियोजना को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में पाइपलाइन डालने के दौरान टूटी सड़कों के मरम्मत कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि तय समय सीमा में अमृत योजना के कार्यों को भी पूरा किया जाए। उन्होंने प्रदेश में संचालित जल जीवन मिशन के कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए भी विभागीय अधिकारियों को दिशा-निर्देश प्रदान किए।

**नहरबंदी के दौरान डिग्गियों का पूर्ण भराव हो सुनिश्चित —**

शर्मा ने नहरबंदी के दौरान प्रभावित जिलों में पेयजल व्यवस्था सुचारू रखने के लिए जिलेवार कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल आपूर्ति के लिए डिग्गियों का पूर्ण भराव रखा जाए, जिससे आवश्यकता होने पर इस जल का सदुपयोग किया जा सके।

इस अवसर पर जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैया लाल चौधरी सहित विभाग के उच्चाधिकारी मौजूद रहे तथा सभी जिलों के विभागीय अधिकारी वीसी के जरिए जुड़े।

# शिक्षित राजस्थान की ओर कदम: सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ाने के लिए शुरू हुआ डिजिटल प्रवेश उत्सव

## -राज्यभर के स्कूलों में घर-घर सर्वे, ऐप आधारित डेटा कलेक्शन और दो चरणों में चलेगा अभियान

जयपुर। निजी स्कूल की तर्ज पर अब सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। प्रदेश में हाल में मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान की शुरुआत की गई, जिसमें डिजिटल प्रवेश उत्सव से तीन से 19 साल के बच्चों की स्कूल में शत प्रतिशत ठहराव की कोशिश की जाएगी। इसके लिए शिक्षा विभाग ने कार्य योजना बनाई व दो चरण में इसे पूरा करने का जिम्मा शिक्षकों को दिया। डिजिटल प्रवेश उत्सव के अभियान के लिए शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने गाइडलाइन जारी की है। इसके तहत 15 अप्रैल से 16 मई तक पहला चरण और एक जुलाई से 18 अगस्त तक दूसरा चरण पूरा किया जाएगा। संबंधित स्कूल की परिक्षेत्र में उस स्कूल के शिक्षक घर-घर जाकर हाउस होल्ड सर्वे करेंगे। सर्वे से स्कूल में नामांकन संख्या बढ़ाने के लिए अस्थायी प्रवेश की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके लिए ड्रॉप आउट और शिक्षा से वंचित बच्चों को स्कूल भेजने के लिए शिक्षक अभिभावकों से मिलकर काम करेंगे। दोनों चरणों में पहले स्तर पर ऐसे बच्चों को चिह्नित किया जाएगा और बाद में CRC मॉडयूल में रिकॉर्ड रखा जाएगा।

**ऐप से तैयार होगा डेटा बेस :** शिक्षक ऐप से अभियान के तहत काम और बच्चों का चिह्नीकरण और रिकॉर्ड का डेटाबेस तैयार करेंगे। इसके लिए शिक्षकों को अपने मोबाइल में शिक्षक ऐप डाउनलोड कर अपनी लॉगिन आईडी से शुरू करना होगा। अभियान में किस तरह से काम होगा। इसे लेकर 16 और 17 अप्रैल को शिक्षकों को ऑनलाइन कार्यशाला से प्रशिक्षित किया जाएगा।

**आंगनबाड़ी का लेंगे सहयोग:** अभियान के तहत स्कूल क्षेत्र की आंगनबाड़ी के बच्चों को जोड़ने के लिए आंगनबाड़ी का सहयोग लिया जाएगा। आंगनबाड़ी में पढ़ रहे कक्षा एक में प्रवेश के लिए पात्र विद्यार्थियों का डाटा लेकर उन्हें नजदीकी स्कूल में दाखिला दिलाने के साथ अस्थाई प्रवेश प्रमाण पत्र भी जारी किया जाएगा।

**करेंगे शिक्षा का प्रसार:** अभियान के तहत शिक्षक स्कूल का बोर्ड परीक्षा परिणाम, विद्यालय में उपलब्ध सुविधाएं, विद्यालय के पूर्व विद्यार्थियों उपलब्धियां की जानकारी पम्फलेट के रूप में अभिभावकों को देंगे ताकि क्षेत्र में स्कूल और शिक्षा की उपयोगिता का प्रचार प्रसार हो सके।

विद्यालय में मनाएंगे प्रवेश उत्सव: 8 से 10 मई तक स्कूलों में प्रवेश उत्सव मनाए जाएंगे। इस दौरान स्कूल आने वाले नव विद्यार्थियों को तिलक लगाकर माला पहनाएंगे। नव विद्यार्थियों का स्वागत करने के निर्देश दिए गए।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,